www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

2 विपक्ष की लोकतंत्र पर चिंता या सत्तालोभ की राजनीति?

सऊदी अरब के स्लीपिंग प्रिंस का निधन 06

वर्ष :17 | अंक :110 | प्रयागराज ,सोमवार , 21 जुलाई 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

असम में पत्नी की हत्या का आरोपी रेलवे स्टेशन मास्टर गिरफ्तार

असम में पत्नी की हत्या के मामले में फरार आरोपी रेलवे स्टेशन मास्टर को गुवाहाटी से गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। राज्य के कामरूप जिले में रंगिया के पास केंदुकोना रेलवे स्टेशन के स्टेशन मास्टर आरोपी राहुल सिंह की पत्नी का शव 15 दिन पहले उनके मकान से बरामद हुआ था, जिसके बाद शनिवार को सिंह गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया, वह गुवाहाटी की एक इमारत में भेष बदलकर निजी सुरक्षा कर्मी के तौर पर काम कर रहा था। गिरफ्तारी के बाद उसे रंगिया लाया गया। सिंह को एक स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के अधिकारी सिंह ने दो जुलाई को बच्चों के सामने पत्नी की कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी थी और फरार हो गया था। उन्होंने कहा, मृतक की पहचान अंजलि सिंह के रूप में हुई है। दोनों बच्चों ने हमें बताया कि उनके पिता ने मां को चाकू मारा था।

उत्तर प्रदेश के महराजगंज में मादा तेंदुए का शव बरामद

महराजगंज जिले के सोहगी बरवा वन्यजीव अभयारण्य में एक मादा तेंदुआ मृत पाई गई है। एक वन अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। प्रभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) निरंजन सुर्वे ने बताया कि कुछ ग्रामीणों ने मधवालिया परिक्षेत्र के बसौली जंगल के पास मृत तेंदुए को देखा और सूचना मिलते ही विभागीय अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि तेंदुए की मौत कैसे हुई, इसका अभी पता नहीं चल पाया है। उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। सुर्वे ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के दिशानिर्देशों के अनुसार मृत मादा तेंदुए का निपटान किया जाएगा।

सर्वदलीय बैठक - पहलगाम-सीजफायर पर मोदी जवाब दें :विपक्ष

विपक्ष ने पहलगाम, ट्रम्प और बिहार मुद्दे पर पीएम मोदी से संसद को संबोधित करने की मांग की

मानसून सत्र

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा की अध्यक्षता में डेढ़ घंटे से ज्यादा चली मीटिंग में कई वरिष्ठ मंत्री, एनडीए और विपक्षी दलों के नेता मौजूद रहे। मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होकर 21 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान कई महत्वपूर्ण बिलों पर चर्चा और पास करने का काम किया जाएगा।

एजेंसी

नयी दिल्ली। सोमवार से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र से पहले रविवार को सभी दलों की बैठक हुई। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा- इस सत्र में हम पहलगाम हमले, सीमाओं पर संघर्ष, ट्रम्प का सीजफायर दावा, बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण जैसे मुद्दों को उठाएंगे। प्रधानमंत्री सरकार के प्रमुख होते हैं, उनकी नैतिक जिम्मेदारी है कि वे संसद के जरिए इन मुद्दों पर देश को जानकारी दें। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा- सदन चलाना सभी की जिम्मेदारी है। सरकार सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार है। साथ ही डोनाल्ड ट्रम्प के ऑपरेशन सिंदूर पर किए दावों पर भी उचित जवाब देगी। संसद का मानसून सत्र शुरू होने से पहले शनिवार को गठबंधन की ऑनलाइन मीटिंग हुई। इसमें 24 दलों के नेता शामिल हुए। इस दौरान संसद में सरकार के खिलाफ एकजुट होकर मुद्दे उठाने की रणनीति बनाई गई। नेताओं ने तय किया कि संसद में वे एकजुट रहेंगे और सरकार से तीखे सवाल पूछेंगे। नेताओं ने एकमत होकर 8 प्रमुख मुद्दे तय किए हैं। इनमें पहलगाम आतंकी हमला, ऑपरेशन सिंदूर, डोनाल्ड ट्रंप का सीजफायर करवाने का बयान, बिहार में रकफ, विदेश नीति (पाकिस्तान, चीन, गाजा), डिलिमिटेशन का सवाल और दलित, आदिवासी, पिछड़े, महिला व अल्पसंख्यक वर्गों पर हो रहे अत्याचार शामिल हैं। इसके अलावा विपक्ष अहमदाबाद प्लेन हादसे जैसे अन्य मामलों पर भी सरकार से जवाब मांगेगा। बैठक में नेताओं ने कहा कि वे चाहते हैं संसद सुचारू रूप से चले, लेकिन मोदी सरकार को इन विषयों पर जवाब देना ही होगा।

सरकार मानसून सत्र में 8 बिल पेश करेगी

केंद्र सरकार मानसून सत्र में 8 विधेयक (बिल) पेश करने जा रही है। इनमें देश की भू-विरासत और पुराने अवशेषों की सुरक्षा से जुड़ा एक अहम बिल भी शामिल है। जो विधेयक लाए जाएंगे, उनमें राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक, भू-विरासत स्थल और भू-अवशेष (संरक्षण और रखरखाव) विधेयक, खान और खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक, और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) विधेयक प्रमुख हैं।

जस्टिस वर्मा पर महाभियोग इकलौता मुद्दा, जिस पर पक्ष-विपक्ष दोनों सहमत

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग चलाने के लिए 100 से ज्यादा सांसदों ने दस्तखत किए हैं। जस्टिस वर्मा अपने घर पर जली हुई नकदी मिलने के बाद से मुश्किल में हैं। मानसून सत्र में इस मुद्दे पर सरकार विचार करेगी या नहीं, इस पर रिजिजू बोले कि यह प्रक्रिया सभी दल मिलकर करेंगे। यह अकेले सरकार का काम नहीं है।

रिजिजू बोले- संसद चलाना सबकी जिम्मेदारी

भाषण नहीं, नौकरी चाहते हैं युवा : राहुल गांधी

कांग्रेस ने बेरोजगारी को लेकर बिहार सरकार की आलोचना की

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दावा

यहपरिवर्तन की शुरूआत है और बिहार के युवा अब भाषण नहीं, बल्कि अपने भविष्य को आकार देने के लिए रोजगार चाहते हैं। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, बिहार में भारतीय युवा कांग्रेस द्वारा आयोजित महारोजगार मेले में उमड़े जन-सैलाब से ये साबित हो गया है कि भाजपा और उसके अवसरवादी सहयोगियों ने बिहार के युवा को बेरोजगारी के दलदल में धकेल दिया है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दावा किया कि यहपरिवर्तन की शुरूआत है और बिहार के युवा अब भाषण नहीं, बल्कि अपने भविष्य को आकार देने के लिए रोजगार चाहते हैं।

एजेंसी

पटना में भारतीय युवा कांग्रेस के रोजगार मेले में उमड़ी भारी भीड़ का हवाला देते हुए पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को आरोप लगाया कि बीजेपी और उसके अवसरवादी सहयोगियों ने बिहार के युवाओं को बेरोजगारी के दलदल में धकेल दिया है। उन्होंने लिखा, देश के युवाओं के जीवन में बदलाव की शुरूआत बिहार से होगी। कांग्रेस का संकल्प अडिग है। हुनर को हक, हर युवा को रोजगार, रुके पलायन, साथ रहे हर परिवार। राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, महारोजगार मेले में उमड़ा यह जनसैलाब सिर्फ एक भीड़ नहीं, एक संदेश है कि - बिहार का युवा अब भाषणों पर नहीं, रोजगार से अपना भविष्य चाहता है। उन्होंने लिखा, बीजेपी और नीतीश सरकार ने बिहार को जिस तरह बेरोजगारी की आग में झोंका, वहां से लाखों युवाओं को रोजी-रोटी के लिए पलायन करना पड़ता है - अपना गांव, अपना परिवार सब कुछ पीछे छोड़ना पड़ता है। राहुल गांधी ने लिखा, बिहार के युवा कर्मठ हैं, काबिल हैं, होनहार हैं - उनकी जरूरत बस स्थानीय और सम्माननीय रोजगार है। अब बदलाव की शुरूआत हो चुकी है। कांग्रेस और इंडिया गठबंधन सिर्फ आश्वासन नहीं, समाधान लेकर आया है। कांग्रेस नेता ने कहा, हमारा फोकस साफ है - हुनर को हक, हर युवा को रोजगार, रुके पलायन, साथ रहे हर परिवार। इसी रास्ते बनेगा एक समृद्ध बिहार! युवा कांग्रेस ने कहा, जयपुर और दिल्ली के बाद, यह हमारा एक और प्रयास था ताकि योग्य युवाओं को रोजगार मेले के माध्यम से रोजगार के अवसर मिल सकें। कांग्रेस नेताओं ने इस साल के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव से पहले बेरोजगारी का मुद्दा उठाया है।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश पर सरकार बोली-जल्दबाजी में नतीजे न निकालें

विदेशी मीडिया की खबरों में स्वार्थ छिपा; फाइनल जांच रिपोर्ट का इंतजार करें

बोइंग ड्रीमलाइनर 787-8 को कैप्टन सुमीत सभरवाल और को-पायलट क्लाइव कुंदर उड़ा रहे थे।

दरअसल, अमेरिकी मीडिया हाउस वॉल स्ट्रीट जनरल ने 17 जुलाई को पब्लिश एक रिपोर्ट में आशंका जताई कि विमान के पायलट कैप्टन सुमीत सभरवाल ने दोनों इंजनों में फ्यूल की सप्लाई रोकी थी।

एजेंसी

नई दिल्ली , अहमदाबाद में 12 जून को हुए एअर इंडिया प्लेन हादसे में पायलट की गलती की खबरों को सिविल एविएशन मिनिस्टर राममोहन नायडू ने गलत बताया है। नायडू ने विदेशी मीडिया से भी संयम बरतने की अपील की है। साथ ही जल्दबाजी में किसी नतीजे पर न पहुंचने की सलाह दी है। उन्होंने कहा- अभी जांच जारी है। फाइनल जांच रिपोर्ट जारी होने तक कोई कमेंट न करें। अहमदाबाद प्लेन हादसे में 260 लोगों की जान चली गई थी। नायडू की यह टिप्पणी विदेशी मीडिया की उन खबरों के बीच आई, जिनमें कहा गया कि हादसे की वजह पायलट की एक गलती थी। पहली बार देश में ही हुआ ब्लैक बॉक्स का डेटा डिकोड एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो ने भारत में ही प्लेन के ब्लैक बॉक्स को डिकोड कर लिया है। ऐसा पहली बार हुआ है। नायडू बोले- जो कहा जा रहा है, हम उसके आधार पर आगे नहीं बढ़ सकते। हमें रिपोर्ट पर अड़े रहना होगा। रिपोर्ट जो भी कहेगी, वही फाइनल होगा। इसलिए, हमें अफवाह को वह दायरा, समय और विश्वास देना होगा। इसकी बहुत जरूरत है।

विमान की टेल वाले हिस्से से मिले अहम सुराग

जांच से जुड़े अधिकारियों ने कहा कि विमान के एम्पेनेज या टेल असेंबली के मलबे से महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं।

नायडू बोले- मुझे उसके काम पर भरोसा है

पूरे ब्लैक बॉक्स को डिकोड करने और भारत में ही डेटा रिकवर करना एक बड़ी सफलता थी क्योंकि पिछली घटनाओं में, जब भी ब्लैक बॉक्स मिलता था, तो डेटा रिकवर करने के लिए हमेशा विदेश भेजा जाता था। प्लेन के पिछले हिस्से में इलेक्ट्रिक सप्लाई की खराबी की खबरों के बारे में पूछे जाने पर नायडू ने धीरज रखने कहा।

राजस्थान के नागौर में सड़क पर मछलियां तैरीं

काशी की कॉलोनियों में बाढ़, पटना में गंगा का लेवल बढ़ा; श्रीनगर देवल ब्रिज में लैंडस्लाइड

एजेंसी

नई दिल्ली , राजस्थान में हो रही भारी बारिश आफत बन गई है। नागौर में तालाब भर गए हैं और पानी बाहर आ गया है, सड़क पर सैकड़ों मछलियां तैर रही है। वहीं, पिछले 24 घंटों में बारिश के कारण अलग-अलग हादसों में 7 लोगों की मौत हो गई। उधर बिहार के कई नदियों का जलस्तर बढ़ने लगा है। पटना में गंगा नदी उफान पर है। पटना ऊट ने जिले के 78 स्कूलों को 21 जुलाई तक बंद रखने का आदेश दिया है। वहीं, जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे पर समरोली में देवल ब्रिज में लैंडस्लाइड के चलते कश्मीर जाने वाला रास्ता बंद हो गया है। मौसम विभाग ने कर्नाटक, बिहार, सिक्किम, बंगाल, केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी, उत्तर-दक्षिण कर्नाटक और उत्तराखंड में कुमाऊं क्षेत्र के कुछ हिस्सों में रविवार को भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। वहीं, हिमाचल में कुल 141 सड़कें अभी भी बंद हैं।

यूपी में लगातार बारिश से गंगा, यमुना और मंदाकिनी जैसी नदियां उफान पर हैं। काशी में 84 घाट डूबने के बाद अब गंगा का पानी अस्सी घाट की सड़क तक पहुंच गया है। गंगा के साथ वरुणा नदी में बाढ़ आ गई है।

महोबा में बांध 7 गेट खोले, 3 मकान ढह गए

महोबा में उर्मिल बांध के 7 फाटक एक साथ खोले गए। जिससे कैमाहा गांव में बाढ़ आ गई। गांव के 3 मकान ढह गए। घरों में 4 फीट तक पानी भर गया। लोग परिवार समेत गांव छोड़कर सुरक्षित जगहों पर जा रहे हैं।

आप विधायक का यू-टर्न, 24 घंटे में बदला फैसला, इस्तीफा लिया वापस

एजेंसी

चंडीगढ़: अनमोल गगन मान ने पंजाब सरकार में विधायक पद से इस्तीफा देकर राजनीति छोड़ने का ऐलान किया था, लेकिन 24 घंटे में ही उन्होंने यू टर्न लेते हुए अपना फैसला बदल दिया है. अनमोल ने अपना इस्तीफा वापस ले लिया है. उन्होंने कहा कि उन्हें पार्टी का फैसला स्वीकार है. अनमोल गगन मान ने पर लिखा कि आज हमने अपनी पार्टी के अध्यक्ष अमन अरोड़ा से मुलाकात की।

जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों-सुरक्षा बलों के बीच एनकाउंटर

किश्तवाड़ में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी घिरे; 24 दिन पहले उधमपुर में 1 आतंकी मारा गया था

23 अप्रैल को बारामूला के उरी सेक्टर में के पास आतंकी घुसपैठ की कोशिश की गई थी। सेना ने 2 आतंकवादियों को मार गिराया। सेना के अधिकारियों ने कहा कि सुरक्षा बलों ने 2-3 आतंकियों को घुसपैठ की कोशिश करते देखा था।

एजेंसी

जम्मू-कश्मीर में किश्तवाड़ में रविवार को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। शुरूआती रिपोर्ट के मुताबिक, डाचन इलाके में जैश-ए-मोहम्मद (खीट) के आतंकियों के इलाके में छिपे होने की संभावना है। सुरक्षाबलों ने पूरे क्षेत्र को घेर लिया है। ऑपरेशन जारी है और अधिक जानकारी का इंतजार है। अखनूर में 12 अप्रैल को आतंकवादियों से मुठभेड़ में 9 पंजाब रेजिमेंट के खउड कुलदीप चंद शहीद हो गए थे। अखनूर के केरी बट्टल इलाके में एक रात पहले एनकाउंटर शुरू हुआ था। इसके अलावा 11 अप्रैल को ही किश्तवाड़ के जंगलों में एनकाउंटर के दौरान सुरक्षाबलों ने 3 आतंकियों को मार गिराया। तीनों आतंकी जैश-ए-मोहम्मद के हैं। इनमें टॉप कमांडर सैफुल्लाह भी शामिल था। इससे पहले 4 और 5 अप्रैल की दरमियानी रात जम्मू में छड्डू पर आरएस पुरा सेक्टर पर इरऋ के जवानों ने एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को मार गिराया था। वहीं, 1 अप्रैल को छड्डू पर सेना के एनकाउंटर में 4-5 पाकिस्तानी घुसपैठियों को मारा गया था। घटना पुंछ में कृष्णा घाटी सेक्टर के फॉरवर्ड एरिया में हुई थी।

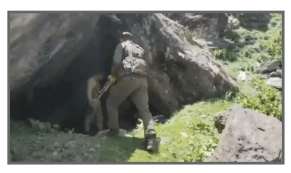

कठुआ में एक महीने में 3 एनकाउंटर

मार्च 2025 में कठुआ में सुरक्षाबलों की आतंकियों तीन मुठभेड़ हुईं। पहली मुठभेड़ 23 मार्च को हीरानगर सेक्टर में हुई थी। सुरक्षाबलों को जैश-ए-मोहम्मद के प्रॉक्सी संगठन पीपुल्स एंटी फासिस्ट फ्रंट से जुड़े 5 आतंकवादियों के छिपे होने की खबर मिली थी।

संसद के मानसून सत्र से पहले केजरीवाल और संजय सिंह ने उपराष्ट्रपति से की मुलाकात

उपराष्ट्रपति से पहले केजरीवाल झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से भी मिले थे, इन मुलाकातों में एक वजह समान है

केजरीवाल और संजय सिंह उपराष्ट्रपति के स्वास्थ्य संबंधी हालचाल और उनके स्वास्थ्य जीवन की कामना के लिए मिले थे। इसी तरह अरविंद केजरीवाल 15 जुलाई को दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल पहुंचकर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर उनके पिता का हालचाल जाना। मुलाकात के बाद केजरीवाल ने अपने एक्स हैंडल से पोस्ट करके यह जानकारी दी है।

एजेंसी

नई दिल्ली: आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने संसद के मानसून सत्र से एक दिन पहले रविवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से उनके आवास पर मुलाकात की। केजरीवाल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, उपराष्ट्रपति के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी लेने के लिए उनसे मुलाकात की। मैं ईश्वर से उनके दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं. उपराष्ट्रपति कार्यालय ने भी एक्स पर एक पोस्ट में इस मुलाकात की पुष्टि की. केजरीवाल ने अपने पोस्ट में लिखा था कि दिल्ली स्थित सर गंगा राम अस्पताल जाकर झारखंड के मुख्यमंत्री और मित्र हेमंत जी से मुलाकात कर उनके पिता एवं झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन जी का हालचाल जाना।

तेवर कहा- 'पार्टी नहीं, देश पहले',

शशि थरूर के बागी तेवर से कांग्रेस में भूचाल

एजेंसी

नयी दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले के बाद से कांग्रेस और सांसद शशि थरूर के बीच चल रहा मनमुटाव अब खुलकर सामने आ गया है। थरूर ने एक बार फिर कांग्रेस को अपना अडिग रवैया दिखाया है। हाल ही में एक छात्र के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने साफ कह दिया कि चाहे जितनी आलोचना हो, वह अपने रुख पर कायम रहेंगे, क्योंकि उनका मानना है कि यह देश के लिए सही है। तिरुवनंतपुरम से सांसद थरूर कोच्चि में एक कार्यक्रम में थे, तभी एक हाई स्कूल के छात्र ने उनसे पार्टी के साथ उनके असहज संबंधों के बारे में सवाल पूछ लिया। थरूर ने अपनी टिप्पणी का वीडियो शेयर करते हुए 'एक्स' पर लिखा, 'हालांकि मैं ऐसी राजनीतिक चचाओं से दूर रहता हूं, लेकिन मुझे लगा कि एक छात्र को जवाब मिलना चाहिए।' उन्होंने अपनी बात समझाते हुए कहा, 'दुर्भाग्य से, या जैसे भी कह लें, किसी भी लोकतंत्र में राजनीति हमेशा प्रतिस्पर्धा पर आधारित होती है। जब मेरे जैसे लोग कहते हैं कि हम अपनी पार्टियों का सम्मान करते हैं, हमारे कुछ ऐसे मूल्य और विश्वास हैं जो हमें अपनी पार्टियों में बनाए रखते हैं, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में हमें दूसरी पार्टियों के साथ भी सहयोग करने की जरूरत है - जैसा कि आपने पूछा - तो कभी-कभी पार्टियों को लगता है कि यह उनके प्रति बेवफाई है। और यह एक बडी समस्या बन जाती है।' उन्होंने यह बात अपनी ही पार्टी के नेताओं द्वारा उन पर निशाना साधने का जिक्र करते हुए कही। थरूर ने आगे कहा, 'आपकी पहली वफादारी किसके प्रति है? मेरे हिसाब से, राष्ट्र सबसे ऊपर है। पार्टियां राष्ट्र को बेहतर बनाने का एक जरिया हैं। इसलिए, मेरे विचार में, आप जिस भी पार्टी से हों, उस पार्टी का मकसद अपने तरीके से एक बेहतर भारत बनाना है।' उन्होंने जोर देकर कहा कि पार्टियों को इस बात पर असहमत होने का पूरा अधिकार है कि बेहतर भारत बनाने का सबसे अच्छा तरीका क्या है। 'हममें से कुछ ज्यादा पूंजीवाद की बात कर सकते हैं।

कुछ लोग ज्यादा समाजवाद की बात कर सकते हैं। कुछ लोग कुछ खास तरह के नियमों के पक्ष में हो सकते हैं। कुछ लोग ज्यादा नियम-कायदों के खिलाफ भी हो सकते हैं। तो आपके अलग-अलग विचार हो सकते हैं। यह ठीक है।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर और कांग्रेस के बीच 'राष्ट्र पहले' की विचारधारा पर गहरा मतभेद उभरकर सामने आया है। थरूर का मानना है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर देश की वफादारी पार्टी निष्ठा से ऊपर है, जिसे पहलगाम हमले पर उनके रुख से पार्टी में नाराजगी पैदा हुई है। वह अपने इस अटल विश्वास पर कायम हैं कि जब देश खतरे में हो तो दलीय मतभेदों को भुला देना चाहिए।

अमरनाथ यात्रा के लिए 4,000 से अधिक तीर्थयात्रियों का एक और जत्था रवाना

एजेंसी

नयी दिल्ली। दक्षिण कश्मीर हिमालय में 3,880 मीटर ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर में बाबा बफार्नी के दर्शन करने के लिए भगवती नगर आधार शिविर से 900 महिलाओं सहित 4,388 तीर्थयात्रियों का 20वां जत्था रविवार को रवाना हुआ। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अनंतनाग में नुनवान-पहलगाम और गांदरबल में बालटाल मार्गों से यह 38 दिवसीय वार्षिक यात्रा तीन जुलाई को शुरू हुई थी। उन्होंने बताया कि अब तक 2.90 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री बाबा बफार्नी के दर्शन कर चुके हैं। अधिकारियों के अनुसार, दोनों मार्गों पर यात्रा सुचारू रूप से जारी है और आज (रविवार को) दिन में तीर्थयात्रियों की संख्या तीन लाख के आंकड़े को पार कर जाने की संभावना है।

अधिकारियों के अनुसार, दोनों मार्गों पर यात्रा सुचारू रूप से जारी है और आज (रविवार को) दिन में तीर्थयात्रियों की संख्या तीन लाख के आंकड़े को पार कर जाने की संभावना है।

उन्होंने बताया कि 130 साधुओं एवं साध्वियों सहित तीर्थयात्रियों का एक और जत्था कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अलग-अलग काफिलों में आधार शिविर से पहलगाम और बालटाल के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया कि 115 वाहनों के काफिले में 2,815 तीर्थयात्री पहलगाम के लिए रवाना हुए, जबकि 95 वाहनों में सवार 1,573 तीर्थयात्रियों ने बालटाल मार्ग को प्राथमिकता दी। यह तीर्थयात्रा नौ अगस्त को रक्षा बंधन के दिन समाप्त होगी।

सम्पादकीय

पुलिस-प्रशासन के सामने बड़ी चुनौती सकुशल कांवड़ यात्रा संपन्न करवाना

हर वर्ष की तरह ही इस बार भी पवित्र श्रावण मास में देवाधिदेव भगवान महादेव के करोड़ों शिव भक्त को शांतिपूर्ण व भक्तिमय वातावरण में सकुशल कांवड़ यात्रा करवाना एक चुनौती पूर्ण कार्य है। जिसको संपन्न करवाने के लिए उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा व राजस्थान का पुलिस-प्रशासन दिन-रात एक करके अपने पूरे दल-बल के साथ धरातल पर व्यवस्था बनाने में जुटा हुआ है। पुलिस-प्रशासन को कांवड़ियों की संख्या में इस वर्ष भारी इजाफा होने की उम्मीद है। ऐसी स्थिति में विशेषकर उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश के पुलिस-प्रशासन के ऊपर पर एक तरफ तो जहां कांवड़ियों की चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था करने कि अहम जिम्मेदारी है, वहीं दूसरी तरफ इन करोड़ों शिवभक्त कांवड़ियों के लिए समुचित व्यवस्था बनाने की जिम्मेदारी है, जिसमें दोनों राज्यों का शासन व पुलिस-प्रशासन दिन-रात जुटा हुआ है। वैसे देखा जाए तो पिछले कुछ वर्षों से वर्ष दर वर्ष कांवड़ लाने वाले शिवभक्तों की संख्या में भारी इजाफा हुआ है। क्योंकि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निदेर्शों पर पुलिस-प्रशासन के द्वारा जिस तरह से उत्तर प्रदेश में शिवभक्त कांवड़ियों का सेवाभाव के साथ पलक-पांवड़े बिछाकर के स्वागत किया जाता है और कांवड़ियों को किसी प्रकार की कोई असुविधा ना हो इसका माइक्रो लेवल पर विशेष ध्यान रखा जाता है, इस स्थिति ने कांवड़ियों की संख्या में भारी इजाफा करने का कार्य कर दिया है। भारी-भीड़ की स्थिति में कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए एक फुलप्रूफ, चाक-चौबंद व्यवस्था करना बेहद चुनौती पूर्ण कार्य बन गया है। कांवड़ यात्रा में विशेषकर के उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड के पुलिस-प्रशासन के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि लाखों शिवभक्त कांवड़ियों के बीच छिपे हुए चंद अराजकता फैलाने की मंशा रखने वाले हुड़दंगियों की आखिरकार वह कैसे पहचान करें। हालांकि उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड के पुलिस-प्रशासन के पास भक्तों की इस तरह की भारी भीड़ को नियंत्रण करने व उनके लिए समुचित व्यवस्था करने का दशकों पुराना लंबा अनुभव है, जिस अनुभव के ही बलबूते पर ही इन दोनों राज्यों का सिस्टम हर वर्ष ऐसे मेलों में उत्पन्न विकट से विकट परिस्थितियों से भी आसानी से निपट लेता है। लेकिन इस बार शुरूआती दिनों से ही कांवड़ियों की भारी भीड़ उमड़ रही है, शुरू के दिनों की बात करें तो प्रशासन के द्वारा 10 जुलाई से हरिद्वार में जल लेकर अपने गंतव्य स्थल पर जाने वाले कांवड़ियों की गिनती शुरू की गई थी। प्रशासन के द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 10 जुलाई से लेकर 15 जुलाई मंगलवार की शाम 6:00 बजे तक 80 लाख 90 हजार कांवड़िए गंगा जल लेकर के अपने गंतव्य की तरफ वापस चल दिए, कांवड़ियों की यह संख्या प्रतिदिन बहुत तेजी से बढ़ती जा रही है।

आज का विचार

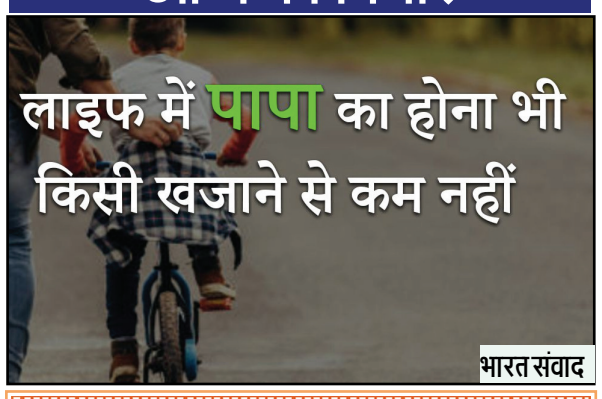

राशिफल

मेष : आज का दिन आपके लिए अक्समात लाभ दिलाने वाला है। आपके घर किसी अतिथि का आगमन हो सकता है। आपको अपने कानूनी मामलों पर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है।

वृषभ : आज का दिन आपके लिए आत्मविश्वास से भरपूर रहने वाला है। आप अपने अच्छी सोच से कार्यक्षेत्र में अपने बॉस की आंखों का तारा बनेंगे और आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी भी मिल सकती है। आपकी वाणी की सौम्यता आपको मान सम्मान दिलवाएगी।

मिथुन : आज का दिन आपके लिए ऊजार्वान रहने वाला है। पारिवारिक रिश्तों में आपको समानता बनाए रखनी होगी। कार्यक्षेत्र में आप छोटों की गलतियों को बड़प्पन दिखाते हुए माफ करें। प्रेम और सहयोग की भावना आपके मन में बनी रहेगी। आपका कोई नया काम करने की इच्छा जागृत हो सकती है।

कर्क : आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। मित्रों के साथ संबंधों में सुधार आएगा। व्यापार में आपको समझदारी दिखानी होगी। विद्यार्थियों को बौद्धिक और मानसिक बोझ से छुटकारा मिलेगा। आपके धनधान्य में वृद्धि होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आपकी साख और सम्मान में वृद्धि होगी। शासन प्रशासन का आपको पूरा सहयोग मिलेगा। आप अपने व्यापार को आगे ले जाने के लिए योजना बनानी होगी और किसी के साथ आप पार्टनरशिप करने से बचें।

कन्या: आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आपकी कला कौशल में सुधार आएगा और आर्थिक स्थिति को लेकर आप कोई महत्वपूर्ण कदम उठा सकते हैं। आपकी सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। आपका कोई लंबे समय से रुका हुआ काम पूरा हो सकता है।

तुला : आज का दिन आपके लिए अक्समात लाभ दिलाने वाला रहेगा। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है, लेकिन आप अपनी शारीरिक समस्याओं को लेकर लापरवाही बिल्कुल ना दिखाएं। वाहनों का प्रयोग आपको सावधान रहकर करना होगा और आप किसी को उधार देने से बचें।

वृश्चिक : आज का दिन आपके लिए अपनी वाणी और व्यवहार पर संयम रखने के लिए रहेगा। आप अपने बिजनेस में पार्टनरशिप न करें, बहुत ही देखभाल कर करें। माताजी से आप कुछ पारिवारिक समस्याओं को लेकर बातचीत कर सकते हैं, क्योंकि वह आपकी टेंशनो को बढ़ाएंगी।

धनु : आज का दिन बिजनेस कर रहे लोगों के लिए ठीक-ठाक रहने वाला है, लेकिन उसमें किसी के कहने में आकर कोई जोखिम भरा काम ना करें। विद्यार्थियों के उच्च शिक्षा के मार्ग प्रशस्थ होंगे। आपका यदि कोई पहले का लेनदेन चल रहा था, तो वह भी दूर होता दिख रहा है।

मकर : आज का दिन आपके लिए मिलेजुले परिणाम लेकर आएगा। आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। आपको किसी बड़े लक्ष्य को पूरा करने की आवश्यकता है। मित्रों के साथ आपका विश्वास काफी गहरा रहेगा। परिवार में किसी सदस्य के विवाह में कोई बाधा आ रही थी, तो वह भी दूर होती दिख रही है।

कुंभ: आज आपको किसी वाद-विवाद को करने से बचना होगा। आज कार्यक्षेत्र में आपके ऊपर कोई झूठा आरोप लगा सकता है, जिसमें आप अपनी बात अधिकारियों के सामने अवश्य रखें। आप कुछ नया सीखने के बाद पूरा ध्यान देंगे। भगवान की भक्ति में आपका खूब मन लगेगा।

मीन: आज आपको परिस्थितियों को ध्यान में रखकर आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। आप किसी विपरीत परिस्थिति में भी धैर्य बनाए रखें। बेवजह किसी बात को लेकर क्रोध करने से आपकी समस्याएं बढ़ सकती है। बड़ों के प्रति आदर व सम्मान बना रहेगा। आपको वाहनों के तरफ से आपको सावधान रहने की आवश्यकता है।

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

विपक्ष की लोकतंत्र पर चिंता या सत्तालोभ की राजनीति?

विपक्षी दल मोदी एवं भाजपा पर लगातार आक्रामक हैं। राहुल गांधी और अन्य दलों के नेता संविधान की प्रति लहराकर यह दिखाने की कोशिश करते हैं जैसे संविधान खतरे में है और उन्हें उसे बचाना है। लेकिन भारत की जनता अब परिपक्व एवं समझदार हो गयी है, उसे अच्छा-बुरे में फर्क दिखता है।

भारतीय लोकतंत्र आज विश्व के सबसे बड़े, जीवंत और जागरूक लोकतंत्रों में गिना जाता है। यह संविधान की मजबूत नींव, संस्थाओं की पारदर्शिता और जनता की जागरूकता से संचालित होता है। परंतु विडंबना यह है कि देश का विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस और उनके नेता राहुल गांधी, बार-बार लोकतंत्र और संविधान पर खतरे की झूठी दुहाई देकर एक अनावश्यक और निरर्थक बहस छेड़ते रहे हैं, वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा को घेरने एवं दोषी ठहराने के लिये न केवल उन पर आधारहीन आरोप लगाते रहते हैं, वरन देश की संवैधानिक संस्थाओं, प्रक्रियाओं और संविधान के ही खतरे में होने का राग अलापते हुए उन्हें लांछित करने का प्रयास करते हैं। ऐसे नेता संविधान की दुहाई देते हैं, वे स्वयं संविधान और कानून की धज्जियां उड़ाते दिखते हैं। लोकतंत्र की आत्मा पर इस तरह का प्रहार विपक्ष की भूमिका पर एक बड़ा प्रश्न है। विडम्बना एवं चिन्ताजनक है कि राहुल गांधी अपनी विदेश यात्राओं में भी मोदी-भाजपा का विरोध करते-करते देश-विरोध पर उतर जाते हैं, जिससे विदेशों में भारत की छवि का भारी नुकसान होता है और विदेशियों को लगता था कि भारत में लोकतंत्र और संविधान ढह रहा है। नेता-प्रतिपक्ष राहुल गांधी एवं उनके सहयोगी जब यह कहते हैं कि देश में लोकतंत्र समाप्त हो गया है, संविधान खतरे में है, तब यह केवल एक राजनीतिक शगूफा प्रतीत होता है, न कि कोई तर्कसम्मत आलोचना। यदि वास्तव में लोकतंत्र खतरे में होता, तो क्या वे हर मंच से खुलकर सरकार की आलोचना कर पाते? क्या संसद, मीडिया, चुनाव आयोग, और न्यायपालिका जैसी संस्थाएं उनके वक्तव्यों को स्थान देतीं? असल में तो 1975 में लोकतंत्र एवं संविधान खतरे

में आये थे जब तत्कालिन प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी ने अपनी सरकार बचाने हेतु अनुच्छेद 352 के अंतर्गत आंतरिक अशांति के आधार पर आपातकाल लगाया तथा लोकतंत्र और संविधान को दरकिनार कर हजारों नेताओं एवं बेगुनाह लोगों को कठोर कानूनों के अंतर्गत जेल भेज दिया। आजादी के बाद तब पहली और आखरी बार लोकतंत्र खतरे में आया था, तब संविधान भी खतरे में चला गया था। राहुल गांधी अपने गिरेबान में झांकने एवं कांग्रेस के अतीत को देखने की बजाय मोदी-भाजपा पर लोकतंत्र एवं संविधान को खतरे में डालने का बेबुनियाद, भ्रामक एवं आधारहीन आरोप मंढते हैं। इन त्रासद स्थितियों में यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि विपक्ष लोकतंत्र की रक्षा नहीं, बल्कि अपने खोए हुए जनाधार को पुनः प्राप्त करने के लिए लोकतंत्र को बदनाम करने का प्रयास कर रहा है। विशेषतः लोकसभा हो या विधानसभा के चुनाव-इनमें जरूरी एवं जनता से जुड़े विषयों को उठाने की बजाय लोकतंत्र एवं संविधान के खतरे में होने के राग से जनता को गुमराह करना आम बात हो गयी है। देशभर में एवं अनेक राज्यों में बांग्लादेश, पाकिस्तान, नेपाल और म्यांमार आदि के अवैध घुसपैठियें बड़ी मात्रा में घुस आये हैं। अपने वोट बैंक को बढ़ाने के लिये इन घुसपैठियों को इन विपक्षी दलों की शह पर ही जगह मिल रही है, ये घुसपैठियें न केवल फर्जी तरीकों से आधार, पैन, राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र आदि दस्तावेज प्राप्त कर कई निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता-सूचियों में अपना नाम अंकित करा लिया है। यह लोकतंत्र, राष्ट्रीय सुरक्षा एवं जनसंख्या संतुलन के लिए गंभीर खतरा है, चुनाव आयोग ने इस पर अपना रुख सख्त करते हुए सभी राज्यों में मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण का निर्णय लिया है। बिहार में वह ऐसे लोगों की पहचान संबंधी पहल कर चुका है, पर विपक्ष को इस पर आपत्ति है और इसे सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती भी दी। न्यायालय ने आयोग की इस कार्रवाई पर रोक नहीं लगाई। विपक्ष लम्बे समय से चुनाव आयोग को निशाना बना रहा है, कभी निष्पक्ष मतदान पर तो कभी मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण पर सवाल उठाते रहा है। चूंकि चुनाव ही सत्ता की सीढ़ी है, इसलिए लोकसभा चुनाव में परास्त होने और अनेक राज्यों में अप्रासंगिक होने से चुनाव आयोग पर आरोप तथा लांछन लगाना विपक्ष के लिए काफी आसान हो गया है। कभी वह चुनाव आयुक्तों की नियुक्तियों और निर्णयों पर अंगुली उठाता है, कभी उसे भाजपा के इशारे पर काम करने वाला बताता है, कभी ईवीएम, मतदाता सूची में अनियमितता, डाटा देने में विलंब, दलीय पक्षपात आदि का मुद्दा उठाकर चुनाव आयोग की छवि नष्ट करने का प्रयास करता है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण को हरी झंडी देकर विपक्ष की बोलती बंद कर दी। विपक्ष की भूमिका लोकतंत्र में रचनात्मक आलोचना और वैकल्पिक नीतियों के माध्यम से शासन को दिशा देना होती है। किंतु आज का विपक्ष न तो पाकिस्तान-चीन के खतरनाक मनसूबों, न गरीबी, न महंगाई, न बेरोजगारी, न सांप्रदायिक सौहार्द, न सीमा पर पड़ोसी देशों की चुनौती, और न ही किसानों, युवाओं और महिलाओं की समस्याओं को लेकर कोई ठोस योजना प्रस्तुत कर पा रहा है और न ही इन बुनियादी मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठा पा रहा है। उनकी राजनीति केवल मोदी और भाजपा विरोध तक सीमित होकर रह गई है। जब राजनीति विकास की बजाय विरोध पर केंद्रित हो जाए, तो वह जनहित नहीं, केवल सत्ता की भूख बन जाती है। विपक्षी दल मोदी एवं भाजपा पर लगातार आक्रामक हैं। राहुल गांधी और अन्य दलों के नेता संविधान की प्रति लहराकर यह दिखाने की कोशिश करते हैं जैसे संविधान खतरे में है और उन्हें उसे बचाना है। लेकिन भारत की जनता अब परिपक्व एवं समझदार हो गयी है, उसे अच्छा-बुरे में फर्क दिखता है। भाजपा पर तानाशाही, संविधान बदलने की साजिश, जनविरोधी नीतियों जैसे आरोप लगाना विपक्ष की आदत बन चुकी है। किंतु हर बार जनता ने चुनाव में स्पष्ट बहुमत देकर इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है। जनता जानती है कि ऑपरेशन सिन्दूर, डिजिटल इंडिया, गरीबमुक्त भारत, आत्मनिर्भर भारत, महिला आरक्षण, जी-20 की सफल अध्यक्षता, भ्रष्टाचार पर कार्रवाई, गरीबों के लिए मुफ्त राशन, उन्नत सड़के, चमकती रेल एवं चमकते रेल्वे स्टेशन, घर, शौचालय और जल जैसी योजनाएं सिर्फ नारों से नहीं, संकल्प और समर्पण से संभव हुई हैं। क्या राहुल गांधी या इंडी गठबंधन के पास कोई ठोस आर्थिक नीति, सुरक्षा रणनीति, या सामाजिक समरसता का ब्लूप्रिंट है? क्या वे यह बता सकते हैं कि वे भारत को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं, या केवल मोदी विरोध को ही नीति मान बैठे हैं? भारतीय जनता राजनीतिक रूप से परिपक्व हो चुकी है। वह अब भावनात्मक और भ्रामक नारों के बजाय ठोस उपलब्धियों और दूरदर्शिता को प्राथमिकता देती है। ऐसे में विपक्ष का यह दुष्प्रचार केवल उनकी साख को ही नुकसान पहुंचा रहा है। विपक्ष को चाहिए कि वह सकारात्मक राजनीति करे, वैकल्पिक नीति प्रस्तुत करे, और जनता के विश्वास को अर्जित करे, न कि लोकतंत्र के अस्तित्व को ही संदेह के घेरे में लाकर अपनी विफलताओं पर पर्दा डाले। राजनीति केवल विरोध नहीं, समाधान का माध्यम होनी चाहिए।

स्कूलों को उड़ाने की धमकियां: सुरक्षा पर मंडराता खतरा

ललित गर्ग

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के करीब 45 स्कूलों में बम विस्फोट की धमकी बेहद गंभीर और चिंताजनक है। चूंकि ऐसी धमकियां लगातार आ रही हैं, इसलिए हमारे सुरक्षा तंत्र को बहुत सजग हो जाना चाहिए। यह पुलिस एवं प्रशासन के सामने एक बड़ी चुनौती एवं गंभीर प्रश्न है, क्योंकि बीते कुछही दिनों में करीब चार बार ऐसी धमकियों के ई-मेल अथवा फोन से डराने एवं धमकाने वाले सन्देश मिले हैं। इसी बुधवार को ही सात स्कूलों को विस्फोट की धमकी मिली थी। अगर यह किसी की सोचा-समझी साजिश है तो बहुत गंभीर है। किसी की शरारत भी है, तब भी अक्षम्य अपराध है। दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में स्कूलों को उड़ाने की मिल रही ऐसी धमकियां न केवल सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करती हैं, बल्कि यह हमारे भविष्य, यानी बच्चों की मानसिक शांति और शिक्षा के अधिकार पर भी गहरा आघात है। कई बार ये धमकियां फर्जी साबित हुईं, लेकिन हर बार छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों में भारी दहशत का माहौल बना, जिससे न केवल शिक्षण प्रभावित हुआ बल्कि प्रशासन की सजगता और तत्परता भी सवालों के घेरे में आ गई।

मई 2024 में एक ही दिन में दिल्ली के 100 से अधिक स्कूलों को एक साथ बम से उड़ाने की धमकियां मिलीं थी। राजधानी के प्रतिष्ठित स्कूलों जैसे पश्चिम विहार इलाके में रिचमंड ग्लोबल स्कूल और रोहिणी सेक्टर-3 स्थित अभिनव पब्लिक स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिली। इनमें तीन कॉलेज शामिल हैं। डीपीएस, मदर्स इन्टरनेशनल, संस्कृति स्कूल आदि प्रतिष्ठित स्कूलों को इस भयावह चक्रव्यूह में शामिल किया गया है। ताजा धमकियों में हो सकता है, जांच में कुछ भी चिंताजनक न मिले, पर ऐसी धमकी से तात्कालिक रूप से जो तनाव पैदा होता है, उसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ई-मेल से दी गई धमकी

की जो भाषा है, उस पर अवश्य गौर करना चाहिए। पुलिस और प्रशासन की तत्काल प्रतिक्रिया एवं सतर्कता के चलते सुरक्षा के कदम उठाते हुए स्कूलों को खाली कराया गया, बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला गया और बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वॉड और फोरेंसिक टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। हालांकि बाद में अधिकतर धमकियां फर्जी ही पाई गईं, लेकिन जिस प्रकार बार-बार ये घटनाएं हो रही हैं, वह एक सुनियोजित मानसिक आतंकवाद की ओर इशारा करती हैं। इसमें मुख्यतः साइबर सुरक्षा में चूक भी दिख रही है।

इन डराने एवं खौफ पैदा करने वाली घटनाओं की अभी तक की जांच में पुलिस ने पाया है कि ये सभी धमकी भरे संदेश फर्जी हैं। फर्जी होने के बावजूद जांच को एक पुख्ता एवं सटीक समाधान तक पहुंचाना चाहिए। कौन अपराधी है, जो ऐसी धमकियां दे रहा है? अगर वह कोई बिगड़ैल बच्चा भी है, तो उसे इलाज की जरूरत है। वैसे इतने सुनियोजित तरीके की भेजी जा रही धमकियां किसी बिगडैल एवं शरारती बच्चे की नहीं हो सकती, जरूर इसके पीछे किसी बड़े षडयंत्रधारी का हाथ है। धमकाने की यह परिपाटी या किसी को डराने का यह तरीका अनियंत्रित नहीं होना चाहिए। अधिकांश ईमेल और धमकियां विदेशी सर्वरों से भेजी गई थीं-रूस, यूक्रेन जैसे देशों से। यह भारत की साइबर सुरक्षा व्यवस्था की कमजोरी और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्किंग के माध्यम से की जा रही साजिशों की ओर संकेत करती है। यह संकट केवल सुरक्षा का नहीं, मानसिक आघात का है। हर धमकी के बाद छात्रों की परीक्षा, पढ़ाई, उपस्थिति और मनोवैज्ञानिक स्थिति पर प्रतिकूल असर पड़ा है। बच्चों के भीतर असुरक्षा, भय और अविश्वास की भावना उत्पन्न हो रही है, जो उनके समग्र विकास के लिए बेहद खतरनाक है। अभिभावक-समाज में भी गहरा असंतोष और चिंता व्याप्त है, जो सरकार और पुलिस प्रशासन पर भरोसे को कम कर रही है।

इन डराने एवं असुरक्षा का वातावरण पैदा करने वाली धमकियों के बावजूद स्कूल प्रशासन की यह सराहनीय बात है कि ज्यादातर स्कूल खुले रहे और सबने सावधानी से काम लिया। कहीं भी अफरा-तफरी नहीं होने दी गयी। फिर भी ऐसी धमकियों के मनोवैज्ञानिक एवं संवेदनशील असर को गहराई से समझने की जरूरत है। क्या ऐसी बार-बार मिल रही धमकियों से हम एक डरा हुआ समाज ही नहीं, बल्कि एक लापरवाह समाज भी बना रहे हैं? आज ऐसी धमकियों से हमें डर लग रहा है, लेकिन कल हो सकता है, ये धमकियां हमें लापरवाह बना दें। तब शरारती तत्व किसी बड़ी घातक एवं अनहोनी घटना को अंजाम दे देने में सफलता पा ले। जरूरत है स्कूलों की सुरक्षा व्यवस्था सिर्फ अस्थायी जांच और अलार्म तक सीमित न रहे। एक स्थायी और आधुनिक सुरक्षा फ्रेमवर्क लागू किया जाना चाहिए, जिसमें सीसीटीवी, बायोमैट्रिक एंट्री, इमरजेंसी रिस्पांस सिस्टम आदि अनिवार्य हों। साथ ही, स्कूलों को अपने स्तर पर भी पुख्ता सुरक्षा के प्रबंध रखने चाहिए। बच्चों के आने और स्कूल तक पहुंचने के मार्ग खुले, चौड़े व स्पष्ट होने चाहिए। यह परखना चाहिए कि स्कूलों में अग्निशमन की व्यवस्था है या नहीं? इलेक्ट्रॉनिक रूप से स्कूल सुरक्षित है या नहीं? अलार्म और निगरानी व्यवस्था चौकस है या नहीं? जो स्कूल टूटे-फूटे हुए हैं, जिन स्कूलों में जल भराव या फिसलन की समस्या है, वहां विशेष रूप से उपाय करने की जरूरत है।

इस तरह की धमकी देने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई हो। आईटी एक्ट और राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के अंतर्गत त्वरित कार्यवाही से ही ऐसे अपराधियों को रोका जा सकता है। धमकियां झूठी भी हों, तो भी दोषियों को ऐसी सजा मिलनी चाहिए कि सभी को सबक मिले। यह अच्छी बात है कि दिल्ली के अनेक स्कूलों ने अपने विद्यार्थियों को ऐसी स्थिति से निपटने के लिए प्रशिक्षित कर रखा है। शुक्रवार को जब धमकी की बात सामने आई, तब भी अनेक स्कूलों में कक्षाओं को बहुत आसानी से खाली करा लिया गया। सारे विद्यार्थी अपेक्षाकृत ज्यादा सुरक्षित जगहों पर पहुंच गए। वास्तव में, यह एक अनिवार्यता है कि सभी स्कूल अपने विद्यार्थियों को समय-समय पर प्रशिक्षित करें और मानसिक रूप से मजबूत रखें एवं ऐसी आपातकालीन स्थितियों से निपटने का प्रशिक्षण दें।

स्कूलों में मनोवैज्ञानिक परामर्श की व्यवस्था हो ताकि ऐसे हादसों से बच्चों और शिक्षकों पर पड़ने वाले मानसिक दुष्प्रभावों को कम किया जा सके।

बार-बार मिल रही इन धमकियों ने परिवारों में अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता में डाल दिया है और लोग सरकार से यह उम्मीद कर रहे हैं कि वह इन धमकियों की तह में जाकर ठोस समाधान करें।

जरूरत शब्द स्वच्छता अभियान की; लोगों में अपशब्दों का बढ़ता प्रचलन खतरनाक

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

यह काफी चौंकाने वाला रिपोर्ट है जिसे जानकर आप भी सोचने पर विवश हो जाएंगे, दरअसल एक सर्वे रिपोर्ट आई है कि देश में लोगों की आम बोलचाल की भाषा हंसी मजाक की भाषा के साथ-साथ मीडिया इंटरनेट ओटीटी जैसे प्लेटफार्म में भी हास परिहास बोलचाल की भाषा में इतनी गिरावट आ गई है कि आप अब वह सब सुनकर असहज हो जाएंगे। आमतौर पर लोगों के बोलचाल में शब्दों की इतनी गिरावट आ चुकी है कि लोगों की भाषा अब गाली गलौज और अश्लीलता के साथ दूसरे लोगों के बीच संप्रेषित किया जाने लगा है। यह कमोबेश सभी वर्ग में दिखने लगा है और तो और खास करके शिक्षित युवा युवतियों के बीच भी यह ट्रेंड आम हो चला है। यह स्थिति हमारे देश के संस्कृति और संस्कार के लिए बहुत ही खराब और चिंतनीय है। आपको यह जानकर और भी आश्चर्य होगा कि आम बोलचाल में अपशब्दों का, गाली गलौज का प्रयोग करने में सबसे 76 प्रतिशत के साथ टॉप में दिल्ली के लोग हैं। जी हां दिल्ली जो देश की सबसे बड़ी संस्कारधानी और राजधानी भी है। इसके बाद पंजाब 75 प्रति., यूपी, और बिहार, 74 प्रति. राजस्थान 68 प्रति., मध्य प्रदेश 66 प्रति. और महाराष्ट्र 61 प्रति. का नाम आता है। सुखद स्थिति यह है कि पूर्वांचल के राज्य और साउथ के राज्यों में कमोबेश स्थिति अभी उतनी खराब नहीं हुई है। हमारे बीच होने वाली बोलचाल न केवल अभिव्यक्ति का माध्यम है, बल्कि हमारी सोच, संस्कृति और सामाजिक मयार्दाओं का भी प्रतिबिंब होती है। समय के साथ भाषा में बदलाव स्वाभाविक है, लेकिन जब उसमें अशालीनता, अपशब्द और गाली-गलौज का सामान्यीकरण होने लगे, तो यह केवल भाषाई समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक गिरावट का संकेत बन जाती है। आजकल देखा जा रहा है कि न केवल विवाद या गुस्से के क्षणों में, बल्कि हंसी-मजाक और सामान्य बातचीत में भी अपशब्दों का प्रयोग आम होता जा रहा है। यह प्रवृत्ति न केवल भाषा को दूषित कर रही है, बल्कि हमारे सामाजिक व्यवहार और रिश्तों पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाल रही है। इसके कई कारण हैं-जैसे1. सामूहिक संस्कृति और प्रभाव- आजकल मित्र मंडलियों में अपशब्दों का प्रयोग ₹मस्ती₹ और ₹बोल्डनेस₹ का प्रतीक बन गया है। जब कोई व्यक्ति देखता है कि उसके दोस्त गालियों का प्रयोग कर रहे हैं, तो वह भी उसी व्यवहार को अपनाने लगता है, चाहे वह शुरू में असहज ही क्यो न हो। 2. मनोरंजन माध्यमों का प्रभाव-फिल्में, वेब सीरीज, कॉमेडी शोज और सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में गालियों और अशिष्ट भाषा का खुलेआम उपयोग होता है। इन माध्यमों ने इस भाषा को ₹हास्य₹ या ₹रियलिज्म₹ के नाम पर मान्यता दे दी है, जिससे युवा पीढ़ी इसे सही मानने लगी है। 3. ₹कूल₹ और बिंदास दिखने की होड़- कई युवाओं को लगता है कि गाली-गलौज करने से वे ज्यादा 'फ्रैंक', 'बिंदास' और 'आधुनिक' दिखते हैं। यह सोच पूरी तरह से भ्रमित है, लेकिन सोशल मीडिया की लाइक्स और व्यूज की संस्कृति ने इसे बढ़ावा दिया है। 4. संवेदनशीलता में कमी- आज के दौर में दूसरों की भावनाओं के प्रति संवेदनशीलता घट रही है। ₹ये तो मजाक था₹, ₹सीरियस मत हो₹ जैसे जुमले कहकर लोग गाली और अपमान को भी सामान्य ठहराने लगे हैं। 5. शब्द संपदा की कमी- जब लोगों के पास भाव प्रकट के लिए उचित शब्द नहीं होते, कौशल की गिरावट को दशार्ता है इसका यह दुष्प्रभाव दिखता है की गरिमा घटती है। बच्चों और किशोरों के सामने यह गलत आदर्श बनता है। रिश्तों में सम्मान और मयार्दा खत्म होती है।

ब्लाक प्रमुख के रिश्तेदार को गोली मारी

बाइक से आए 6 बदमाश, बीच सड़क गिराकर पीटा; की ताबड़तोड़ फायरिंग

भारत संवाद

प्रयागराज, मऊआइमा थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े हुए हमले से इलाके में दहशत फैल गई। ब्लॉक प्रमुख से जुड़े बालू कारोबारी के रिश्तेदार मो. जैद पर बाइक सवार छह बदमाशों ने हमला कर दिया। यह वारदात तिलई बाजार स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा के पास हुई, जहाँ जैद को पहले रोका गया, फिर मारपीट कर उस पर फायरिंग कर दी गई। गोली के छर्रे लगने से जैद घायल हो गया, जिसे राहगीरों की मदद से अस्पताल में भर्ती कराया गया। हमलावर वारदात के बाद हवाई फायरिंग करते हुए फरार हो गए। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। शुरूआती जांच में सामने आया है कि यह विवाद एक युवती से बातचीत को लेकर था। फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय लोगों से पूछताछ कर रही है। गंगापार के मऊआइमा थाना क्षेत्र के दुबाही गांव के रहने वाले मो. समून का 22 साल का बेटा मो. जैद बाइक से तिलई बाजार पहुंचा था। वह बालू का सैंपल लेकर दिखाने पहुंचा था। बैंक आफ बड़ौदा के पास 2 बाइक से पहुंचे 6 युवकों ने उसे रोका और जमकर पिटाई करने के बाद गोली मार दी। जैद के पिता मो. समूद ने मऊआइमा थाने में देल्हूपुर प्रतापगढ़ के रहने वाले सचिन को नामजद करते हुए 5 अज्ञात के खिलाफ तहरीर दी है। इम्तियाज के पिता मो. समी मऊआइमा के कई बार ब्लाक प्रमुख रहे हैं। 2019 में ताबड़तोड़ गोलियां बरसाकर उनकी हत्या कर दी गई थी।

मंत्री नन्दी ने शहीद वाल पर दीप प्रज्जवलित कर अमर शहीदों को किया नमन

एक पेड़ मां के नाम अभियान में सम्मिलित होते हुए किया पौधरोपण

- पद्मश्री डॉ. श्याम बिहारी अग्रवाल के घर जाकर किया अभिनन्दन
- शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र में भ्रमण कर पदाधिकारियों के घर जाकर की मुलाकात
- समस्याओं के निस्तारण के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

भारत संवाद

उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने रविवार को अपने प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र में भ्रमण किया। पार्टी पदाधिकारियों के घर जाकर मुलाकात की। वहीं पिछले दिनों राष्ट्रपति द्वारा पद्म श्री सम्मान से सम्मानित प्रख्यात शिक्षाविद एवं साहित्यकार डॉ. श्याम बिहारी अग्रवाल जी के घर जाकर उनसे मुलाकात करते हुए उनका अभिनन्दन किया। साथ ही शहीद वाल पर दीप प्रज्जवलित कर एक पेड़ मां के नाम अभियान में सम्मिलित होते हुए पौधरोपण किया। मंत्री नन्दी रविवार को प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान पद्म श्री से सम्मानित इलाहाबाद विश्व विद्यालय के दृश्य कला विभाग में शिक्षक के रूप में लगातार 35 वर्ष तक अपनी सेवा देने वाले सुप्रसिद्ध चित्रकार, लेखक एवं शिक्षक डॉ श्याम बिहारी अग्रवाल के जीरो रोड स्थित घर पहुंचे। जहां मंत्री नन्दी ने डॉ. श्याम बिहारी अग्रवाल जी को उनके उत्कृष्ट कार्य एवं साहित्य व कला के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए बधाई देते हुए आभार व्यक्त किया। इस दौरान मंत्री नन्दी ने परिवारजनों से भी मुलाकात की। मंत्री नन्दी ने दरियाबाद निवासी व्यापारी अंकित जैन, मीरापुर निवासी श्रीमती प्रीति मालवीय, राजीव श्रीवास्तव एवं श्रीमती संध्या श्रीवास्तव के घर जाकर परिवारजनों से मुलाकात की। इस दौरान मंत्री नन्दी ने क्षेत्र का भ्रमण कर लोगों से मुलाकात किया एवं उनकी समस्याओं को सुना। मीरापुर क्षेत्र में लोगों ने साफ-सफाई के साथ ही नाली सफाई न होने की शिकायत की। जिस पर मंत्री नन्दी ने नगर निगम के अधिकारियों .को व्यवस्था बेहतर करने के निर्देश दिए। वहीं बिजली समस्या की शिकायत पर मंत्री नन्दी ने एसडीओ और जेई को फटकार लगाई। कहा कि विद्युत फाल्ट की समस्या को जल्द से जल्द दूर किया जाए। मंत्री नन्दी ने सिविल लाइंस में प्रयागराज के ऐतिहासिक शहीद वाल पर पहुंच कर अमर शहीदों को नमन करते हुए दीप जलाया। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर पूरे देश में चलाए जा रहे एक पेड़ मां के नाम अभियान में सम्मिलित होते हुए पौधरोपण किया। मंत्री नन्दी ने कहा कि देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर बलिदनियों एवं शहीदों को शत शत नमन है। जिन्होंने अपना बलिदान देकर देश को आजादी दिलाई।

फास्ट ट्रैक

थाना चुनार पुलिस द्वारा नाबालिक के साथ दुष्कर्म के अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त गिरफ्तार

थाना चुनार, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 19.07.2025 को एक व्यक्ति द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध वादी की नाबालिक पुत्री के साथ दुष्कर्म करने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई । उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना चुनार पर मु0अ0सं0-339/2025 धारा 64(1),62 बीएनएस व 7/8 पाक्सो एक्ट पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई ।सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी चुनार के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक थाना चुनार को अभियुक्त की गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए । उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना स्थानीय पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में सुरागरसी पतारसी एवं अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में आज दिनांकः 20.07.2025 को उप-निरीक्षक राम प्रताप यादव मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना चुनार क्षेत्र से नामजद अभियुक्त दिलीप कुमार पुत्र राजेन्द्र कुमार निवासी दिक्षितपुर थाना चुनार जनपद मीरजापुर को अंतर्गत धारा 64(1), 62 बीएनएस 7/8 पाक्सो एक्ट में गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

थाना अदलहाट पुलिस द्वारा चोरी के अभियोग से सम्बन्धित 01 अभियुक्त गिरफ्तार, चोरी गयी बैटरी बरामद

थाना अदलहाट जनपद मीरजापुर पर वादी धर्मेन्द्र कुमार पाण्डेय पुत्र विजय शंकर पाण्डेय निवासी नरायनपुर थाना अदलहाट जनपद मीरजापुर द्वारा वादी के ट्रेक्टर की बैटरी चोरी के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई ।जिसके आधार पर थाना अदलहाट पर मु0अ0सं0- 234/2025 धारा 303(2), 317(2) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गयी ।सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता पूर्वक लेते हुए क्षेत्राधिकारी चुनार के नेतृत्व में अभियुक्त की गिरफ्तारी तथा चोरी के सामानों की बरामदगी कराये जाने हेतु थाना प्रभारी अदलहाट को निर्देश दिये गये ।उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना अदलहाट पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में आज दिनांकः 20.07.2025 को थाना अदलहाट पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त सुनील मौर्या पुत्र उमाशंकर मौर्या निवासी ग्राम तिनताली थाना राजगढ़ जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया ।गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से चोरी गयी 01 की बैट्री बरामद किया गया ।थाना अदलहाट पुलिस द्वारा नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार अभियुक्त को मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

थाना हलिया पुलिस द्वारा मोबाइल चोरी कर साइबर ठगी करने के अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त गिरफ्तार

थाना हलिया जनपद मीरजापुर पर दिनांक 19.07.2025 को वादी राजेन्द्र सिंह पुत्र हंशराज सिंह निवासी मवई खुर्द थाना हलिया जनपद मीरजापुर द्वारा अज्ञात अभियुक्त के विरूद्ध वादी का मोबाइल चोरी कर मोबाइल से साइबर ठगी करने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई ।जिसके आधार पर थाना हलिया पर मु0अ0सं0- 127/2025 धारा 303(2), बीएनएस व 66(ख), 66(स) आईटीएक्ट पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गयी ।सोमेन बर्माह्व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता पूर्वक लेते हुए क्षेत्राधिकारी लालगंज के नेतृत्व में अभियुक्त की गिरफ्तारी तथा चोरी के सामानों की बरामदगी कराये जाने हेतु थाना प्रभारी हलिया को निर्देश दिये गये । उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना हलिया पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में आज दिनांकः 20.07.2025 को विवेचनात्मक कार्यवाही करते हुए प्रभारी निरीक्षक वीरेन्द्र सिंह मय पुलिस टीम द्वारा मुखबीर के सूचना पर थाना हलिया क्षेत्र से अभियुक्त शिवम तिवारी पुत्र मस्तराम तिवारी निवासी दारा नगर थाना मड़िहान जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया ।गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से चोरी गयी मोबाइल बरामद किया गया । थाना हलिया पुलिस द्वारा नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार अभियुक्त को मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

जश्न ए आजादी स्वरूप पर मंथन

भारत संवाद

लखनऊ । जश्न ए तिरंगा ट्रस्ट के द्वारा 15 अगस्त 25 को होने वाले कार्यक्रम को देश भर मे कैसे मनाया जाये इस पर विचार विमर्श करने के लिए ट्रस्ट के समस्त पदाधिकारीयो समेत, कनाडा ,केरल ,लखीमपुर सहित लखनऊ के तमाम देश प्रेमी रायल कैफे मे एकत्र हुए ।ट्रस्ट अध्यक्ष मुरलीधर आहूजा के नेतृत्व मे एकत्र लोगो ने सात दिवसीय जश्न ए आजादी को मनाने का संकल्प लिया मुर्तजा के संचालन मे डा आदर्श त्रिपाठी के द्वारा कैम्पवेल रोड अंबेडकर पार्क मे स्वास्थ्य मेला लगाया जायेगा। स्कूलो मे वृक्षारोपण किया जायेगा। देश-विदेश मे प्रसिद्ध कवि वेदव्रत बाजपेयी जी के नेतृत्व मे बच्चो के द्वारा शहीदो की गाथा का वर्णन किया जायेगा। निगहत खान ने देश भर मे युवाओ बचचो के द्वारा मनाने पर विशेष जोर दिया ।मीडिया फोटोग्राफर्स क्लब की मंजू श्रीवास्तव के द्वारा प्रकाशन मे सहयोग होगा ।अवध रायल परिवार के नवाब सैयद मोहम्मद के द्वारा पुरस्कार और सम्मान किया जायेगा। वौमिक खान के द्वारा रानी लक्ष्मी बाई ,बेगम हजरतमहल पर नाट्य प्रस्तुतीकरण किया जायेगा। जुबैर अहमद , ज्योति किरन, मो फहीम, कुदरतखान ,मो आशिफ रेयान , राहुल चंद्रा, जगदीश जोशी,एडविन मैशी, कलावती तिवारी ,राधा तिवारी, हलधर गोणडवी, डा जय जयराम उपाध्याय, साकेत शामो परतिमा मिश्रा , आशियाना परिवार की महीला सदसयो का दल सभी ने ऐसे ही अनेको कार्यक्रमो के साथ जश्न ए आजादी मनाने का संकल्प लिया गया ।समस्त समुदायो के लोगो ने एक छत के नीचे आकर ने अपने अपने विचार व्यक्त किए और राष्ट्र धर्म को सर्वोपरि मानकर जश्न ए आजादी धूमधाम से मनाने का संकल्प लिया।

मनरेगा के तहत खेल मैदानों के निर्माण से यूपी की निखर रही खेल प्रतिभाएं

गांवों में स्टेडियम व ओपेन जिम बनाकर खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन दे रही सरकार

- नई प्रतिभाएं निखरने के साथ मनरेगा श्रमिकों को मिल रहा रोजगार
- युवा पीढ़ी गांवो के खेल मैदानों से निखर और संवर कर रोशन करेंगी, अपने गांव, घर का नाम
- गांवों की खेल प्रतिभाएं, दुनिया में भारत का लहरायेंगी परचम
- बुजुर्ग, बच्चे व किशोर सभी इन पार्कों में कर रहे हैं मनोरंजन, बना रहे हैं स्वास्थ्य

भारत संवाद

लखनऊः उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को निखारने, दक्ष, और सक्षम बनाने के लिए ग्रामीण अंचल में खेलकूद का आधारभूत ढ़ाचा मजबूत करने के लिए मनरेगा योजनान्तर्गत ग्रामीण अंचल में खेल मैदान बनाये जा रहे हैं। गांवों में स्टेडियम व ओपेन जिम बनाकर खेल प्रतिभाओं को सरकार प्रोत्साहन दे रही है ।युवा पीढ़ी गांवो के खेल मैदानों से निखर और संवर कर अपने गांव घर का नाम रोशन करेंगी और गांवों की खेल प्रतिभाएं, दुनिया में भारत का परचम लहरायेगीं ।मनरेगा योजनान्तर्गत स्टेडियम, ओपेन जिम, खेल मैदान और पार्क गांवों में बनाये जा रहे हैं और इनका उपयोग भी किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में खेल को बढ़ावा देने के लिए ग्रामीण इलाकों में खेल मैदान बनाए जा रहे हैं। इससे गांवों में नई प्रतिभाएं तो निखर ही रही है साथ ही मनरेगा के तहत इन मैदान का निर्माण होने की वजह से श्रमिकों को निरंतर रोजगार भी मिल रहा है। इस पहल का उद्देश्य बेहतर स्वास्थ्य और समग्र सामुदायिक विकास के लिए स्कूली छात्रों और गांव के अन्य सदस्यों के बीच खेलों को प्रोत्साहित करना है।

मैदान से फिजकल फिटनेस का होगा अभ्यास

खेल मैदानों में रनिंग ट्रैक बनने से ग्रामीण अँचलों में रहने वाला युवा आर्मी, पैरा मिलिट्री फोर्स, पुलिस, सीआरपीएफ इत्यादि की तैयारी अपने गांव में ही रहकर कर रहे हैं। ग्राम्य विकास विभाग की इस योजना के चलते खेल मैदान बनने से गांव के युवाओं को मैदान में ही दौड़ लगाने के साथ शारीरिक अभ्यास करने में भी मदद मिल रही है।

गाँव का पिकनिक स्पॉट बनकर तैयार

उत्तर प्रदेश के माननीय उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशन में ग्राम्य विकास विभाग द्वारा ग्रामीण इलाकों में बनाये जा रहे खेल मैदान गाँव के पिकनिक स्पॉट साबित हो रहे हैं। गाँव में आस-पास कोई घूमने की बेहतर जगह न होने के चलते इन मैदानों में ही छोटे-छोटे बच्चे पिकनिक मनाते हैं। यहाँ पर गॉव के युवाओं के साथ यहाँ के बुजुर्ग भी मॉर्निंग वॉक से साथ शाम को यहाँ अपना समय बिताते हैं।

ग्रामीण क्षेत्र में खेल प्रतिभा को बढ़ावा

ग्रामीण क्षेत्रों में खेल के बुनियादी ढांचे के निर्माण और उन्नयन के लिए सरकार की प्रतिबद्धता न केवल एथलीटों को सशक्त बना रही है बल्कि शहरी और ग्रामीण विभाजन को पाटने के साथ समुदायों के कल्याण को भी बढ़ावा दे रही है। जिसके चलते ग्रामीण क्षेत्र में खेल प्रतिभा को बढ़ावा भी मिल रहा है।

सुपर 26 मेंटर्स,शिक्षक सम्मान समारोह संपन्न

भारत संवाद / आदेश मिश्र

लखनऊ , राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद तथा लेंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन नई दिल्ली के संयुक्त प्रयास से उत्तर प्रदेश राज्य के 350 शिक्षको को प्रदेश के चयनित 26 शिक्षकों द्वारा एक वर्षीय प्रारंभिक भाषा एवं साक्षरता कोर्स का सफलता पूर्वक संचालन कर गुणवत्तापूर्ण कोर्स को पूर्ण कराने वाले इन 26 शिक्षक सलाहकारों का सम्मान समारोह होटल सागर सोना लखनऊ के सभागार में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एस सी ई आर टी के निदेशक गणेश कुमार ने अपने कर कमलों से सभी 26 मेंटर्स/शिक्षको को प्रमाण पत्र और स्मृति चिह्न प्रदान करते हुए इस स्वैच्छिक कार्यक्रम की भूरि भूरि प्रशंसा की और इस कोर्स को आगे ले जाने की बात कही। इस कार्यक्रम की पूरे विभाग में चर्चा हो रही है। सम्मानित होने वाले शिक्षकों में जनपद जौनपुर से 4 शिक्षक सुशील कुमार उपाध्याय, श्रीप्रकाश सिंह, रागिनी गुप्ता और योगेंद्र सिंह रहे। सुशील कुमार उपाध्याय ने बताया कि प्रत्येक मेंटर द्वारा 15 शिक्षको को यह कोर्स कराया गया जिससे शिक्षको का व्यावसायिक विकास हुआ। इस कोर्स का संचालन विद्यालय अवधि के बाद किया गया जो बच्चो को आसानी से भाषा सिखाने के तरीको के बारे में था। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी पवन सचान और दीपा तिवारी विशिष्ट अतिथि रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता एल एल एफ संस्था के संस्थापक धीर झींगरन आई ए एस और संचालन स्वाति गांधी ने किया। आभार ज्ञापन एसोसिएट डायरेक्टर श्वेता लखनपाल द्वारा किया गया।

आदर्श पांडेय का भावनात्मक संदेशः आत्म-सम्मान की रक्षा को बताया नैतिक कर्तव्य

भारत संवाद

पट्टी प्रथम, प्रतापगढ़ः आगामी जिला पंचायत सदस्य पद के संभावित उम्मीदवार आदर्श पांडेय ने हाल ही में सोशल मीडिया के माध्यम से एक भावनात्मक और सशक्त संदेश साझा किया, जिसमें उन्होंने आत्म-सम्मान, पारिवारिक मूल्यों और सत्य की रक्षा के अपने संकल्प को दोहराया। इस संदेश में पांडेय ने न सिर्फ अपने व्यक्तिगत दृष्टिकोण को स्पष्ट किया, बल्कि समाज, संस्कृति, इतिहास और सिनेमा के उदाहरणों के माध्यम से अपने विचारों को मजबूती से प्रस्तुत किया।

उन्होंने फिल्म दृश्यम और नायक का उदाहरण देते हुए कहा कि जब कोई आम व्यक्ति अपने परिवार या समाज के लिए खड़ा होता है, तो वह अपराधी नहीं, बल्कि परिस्थितियों से लड़ता एक सच्चा नागरिक होता है।

इतिहास का उल्लेख करते हुए उन्होंने भगवान श्रीराम, राजा हरिश्चंद्र, छत्रपति शिवाजी महाराज और महात्मा गांधी जैसे महान व्यक्तित्वों का उदाहरण दिया, जो अपने सिद्धांतों और कर्तव्य पथ पर अडिग रहे।

पांडेय ने स्पष्ट रूप से कहाः

> अगर आज मैं अपने आत्म-सम्मान और परिवार की रक्षा के लिए खड़ा हूं, तो यह कोई अपराध नहीं, बल्कि मेरा नैतिक कर्तव्य और नेतृत्व धर्म है।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वह न्यायपालिका, संविधान या कानून के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि अपने सम्मान और सच्चाई की रक्षा के लिए खड़े हैं।

आदर्श पांडेय ने क्षेत्र की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जिस प्रकार का समर्थन सोशल मीडिया के माध्यम से मिल रहा है, वह उनके लिए प्रेरणा है।

उन्होंने भावनात्मक अपील करते हुए कहाः

> मैं औरों की तरह झूठी कसमें नहीं खाता, बस इतना कहता हूं कि एक बार मुझे भी अपना समर्थन और आशीर्वाद देकर देखिए, जब वक्त पड़ेगा, तब मुझे आजमा लीजिए।

समाप्ति में उन्होंने कहाः

> यह सिर्फ समर्थन नहीं, यह एक संकल्प है। हम आपके साथ थे, हैं और रहेंगे।

पांडेय ने पट्टी प्रथम विधानसभा क्षेत्र के समस्त सम्मानित नागरिकों, युवाओं और प्रबुद्धजनों को आगामी मिशन-2026 के तहत अपने समर्थन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

संकल्प

स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने शिवभक्तों को बोल बम, बोल बम कचरा कर दो जड़ से खतम का कराया संकल्प

परमार्थ निकेतन का बाघखाला सेवा शिविर बना जनजागरूकता का तीर्थ

भारत संवाद

- परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश द्वारा बाघखाला, राजाजी नेशनल पार्क में शिवभक्तों को प्लास्टिक मुक्त कांवड यात्रा हेतु पपेट शो के माध्यम से किया जा रहा जागरूक
- परमार्थ निकेतन द्वारा कपड़े के थैले, साबुन वितरित कर स्वयं की स्वच्छता के साथ धरती मां की स्वच्छता हेतु किया जा रहा प्रेरित

ऋषिकेश। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी के आशीर्वाद व नेतृत्व में परमार्थ निकेतन द्वारा आयोजित निःशुल्क चिकित्सा एवं जनजागरूकता शिविर में न केवल स्वास्थ्य सेवाएं दी जा रही हैं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और प्लास्टिक मुक्त तीर्थ यात्रा के लिए भी शिवभक्तों को जागरूक किया जा रहा है। शिवभक्ति के इस पावन माह श्रावन में जहां लाखों श्रद्धालु नंगे पांव, हर हर महादेव के उद्घोष के साथ कांवड़ यात्रा पर निकले हैं, वहीं परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश द्वारा बाघखाला क्षेत्र में चलाया जा रहा सेवा और स्वच्छता का संकल्प एक अनूठी प्रेरणा है। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी स्वयं शिवभक्तों से मिले और उन्हें बोल बम, बोल बम, कचरा कर दो जड़ से खत्म का संकल्प कराते हुये कपड़े के थैले भेंट कर उन्हें स्वच्छ, प्लास्टिक मुक्त कांवड यात्रा हेतु प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिवभक्ति तभी सार्थक है, जब हम शिव की बनाई सृष्टि को भी पूजें और उसका सम्मान करें और उसे प्रदूषित न होने दे। स्वामी जी ने कहा कि शिवभक्ति का सर्वोच्च रूप सेवा और समर्पण है। जिस धरती पर हम जल चढ़ाने जा रहे हैं, यदि वह ही अशुद्ध हो, प्रदूषित हो, तो यह अधूरी भक्ति है। शिव केवल कैलाश में नहीं, धरती के कण-कण में हैं। इस विशेष जागरूकता अभियान के अंतर्गत परमार्थ निकेतन द्वारा पपेट शो के माध्यम से शिवभक्तों को अत्यंत सरल, रोचक शैली में यह संदेश दिया जा रहा है कि सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करे तथा अपनी धरती मां का सम्मान करे। शिवभक्ति केवल मंदिरों में जल चढ़ाने से नहीं, बल्कि माँ प्रकृति को स्वच्छ और स्वस्थ बनाए रखने से भी होती है। शिवभक्तों को कपड़े के थैले, हाथ धोने हेतु साबुन, और स्वच्छता संबंधी स्लोगन युक्त सामग्री वितरित की जा रही है। हर दिन हजारों श्रद्धालुओं को यह संदेश दिया जा रहा है कि ना पॉलीथिन, ना प्रदूषण। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने आग्रह किया कि श्रद्धालु नीलकंठ महादेव पर जल चढ़ाकर बोल बम, बोल बम, कचरा कर दो जड़ से खत्म के संकल्प के साथ अपने घर लौटें। यही शिवभक्ति का सच्चा रूप है। स्वामी जी ने जिस प्रकार महाकुम्भ प्रयागराज में परमार्थ निकेतन शिविर को श्रद्धालुओं के लिये खोल दिया था ताकि तीर्थयात्री व श्रद्धालु शिविर में विश्राम कर सके उसी तर्ज पर परमार्थ निकेतन आश्रम, ऋषिकेश भी शिवभक्तों के लिये खोल दिया गया है। शिवभक्त यहां आकर विश्राम कर रहे हैं तथा उनके लिये स्वच्छ जल की सुविधायें व फोन चार्ज करने की सुविधायें भी उपलब्ध करायी जा रही हैं ताकि उनकी यात्रा और सहज व सुलभ हो सके। परमार्थ निकेतन, ग्लोबल इंटरफेथ एलायंस, डिवाइन शक्ति फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में कावंड मेला जागरूकता शिविर आयोजित किया गया।

थाना विन्ध्याचल, एसओजी व सर्विलांस की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा चोरी/छिनैती करने वाले गैंग का खुलासा, 07 अभियुक्त गिरफ्तार, आभूषण व मोबाइल फोन बरामद

भारत संवाद

थाना विन्ध्याचल जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 19.07.2025 को वादी कौशल सिंह पुत्र ओकारनाथ सिंह निवासी जगदीशपुर, मवैया थाना चिल्ह जनपद मीरजापुर द्वारा अज्ञात मोटर साइकिल सवार के विरूद्ध वादी की बहन का पर्स छीन कर भागने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दिया गया । प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना विन्ध्याचल पर मु0अ0सं0-242/2025 धारा 304(2) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई ।

वरिष्ठपुलिस अधीक्षक मीरजापुर ह्रसोमेन बर्माह्व द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए घटना का शीघ्र अनावरण व बरामदगी हेतु थानाध्यक्ष विन्ध्याचल को निर्देश दिये गये थे । उक्त निर्देश के अनुक्रम में आज दिनांकः 20.07.2025 को एसओजी, सर्विलांस व थाना विन्ध्याचल की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना, साक्ष्य संकलन व भौतिक/इलेक्ट्रानिक साक्ष्यों के आधार पर थाना विन्ध्याचल क्षेत्र से 07 अभियुक्तों 1- अजय पुत्र अभिमन निवासी बदेवरा चौबे थाना जिगना जनपद मीरजापुर, 2. विकास वर्मा पुत्र पप्पू वर्मा निवासी गंगापुर थाना जिगना जनपद मीरजापुर, 3. विकास बिन्द पुत्र लल्लू बिन्द निवासी नरोईया थाना जिगना जनपद मीरजापुर, 4. दीपक पाण्डेय पुत्र त्रिलोकी नाथ पाण्डेय निवासी कसधना थाना जिगना जनपद मीरजापुर, 5. भरत सोनी पुत्र सुभाष सोनी निवासी गोपीगंज थाना गोपीगंज जनपद भदोही व 02 अन्य बालअपचारी को गिरफ्तार/ हिरासत में लिया गया । अभियुक्तो के कब्जे से चोरी/छिनैती के 24 अदद मोबाइल फोन, 01 अदद कमर की पेटी (सफेद धातु), 01 जोड़ी पायल (सफेद धातु), 02 अदद मंगल सूत्र (पीली धातु), 01 जोड़ी झूमका (पीली धातु) बरामद किया गया तथा अभियुक्त दीपक पाण्डेय के कब्जे से 01 अदद 12 बोर तमंचा मय मय जिन्दा कारतूस व अभियुक्त विकास वर्मा के पास से 01 अदद 315 बोर मय जिन्दा कारतूस बरामद किया गया ।

उ0प्र0 फेडरेशन ऑफ मिनिस्टियल एसोशिएशन ने मुख्यमंत्री जी के नाम जिलाधिकारी को दिया ज्ञापन

जिला कृषि अधिकारी पीलीभीत के साथ हुई अभद्रता के लिए दोषियों के विरूद्ध कार्यवाही की मांग की

भारत संवाद

अलीगढ़ 20 जुलाई 2025 (सू0वि0): उ0प्र0 फेडरेशन ऑफ मिनिस्टियल एसोशिएशन के प्रान्तीय उपाध्यक्ष प्रदीप चौहान ने शनिवार देर सांय मा0 मुख्यमंत्री जी को संबोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी संजीव रंजन को सोंपा।प्रदीप चौहान द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में अवगत कराया गया है कि जनपद पीलीभीत में जिला कृषि अधिकारी नरेन्द्र पाल जी के साथ जिला पंचायत अध्यक्ष की उपस्थिति में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती समृति पाठक के पति नितिन पाठक के द्वारा अभद्र व्यवहार (गाली गलोच तथा मारपीट) के सम्बन्ध में उ०प्र० फेडरेशन ऑफ मिनिस्टीयल सर्विस एसोशिएशन की जनपद शाखा, अलीगढ़ एवं मिनीस्टीरियल ऐसोसिएशन्स कृषि विभाग, जनपद शाखा, के पदाधिकारियों एवं समस्त सम्मानित सदस्य के साथ आहूत की गयी। बैठक में सर्वसमिति से जिला कृषि अधिकारी, पीलीभीत से किये गये अभद्र व्यवहार (गाली गलोच तथा मारपीट) के विरोध में निन्दा प्रस्ताव पारित करते हुए मा० मुख्यमंत्री जी को जिलाधिकारी, अलीगढ़ के माध्यम से ज्ञापन प्रेषित कर संबंधित व्यक्तियों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही कर जेल भेजे जाने का आहावन किया गया है।

काशी घोषणापत्र के शुभारंभ के साथ वाराणसी में युवा आध्यात्मिक शिखर सम्मेलन का समापन

काशी घोषणा पत्र ने युवाओं के नेतृत्व वाले नशा मुक्ति आंदोलन के लिए 5 साल का रोडमैप निर्धारित किया

- 120 से अधिक आध्यात्मिक संगठनों के 600 से अधिक युवा नेताओं ने शिखर सम्मेलन में नशा मुक्त भारत का विजन प्रस्तुत किया
- भारत की आध्यात्मिक शक्ति को अब विकसित भारत के लिए नशा मुक्त युवा बनाने में अग्रसर भूमिका निभानी चाहिए और इस महाअभियान का आधार बनना चाहिए: डॉ. मांडविया

भारत संवाद

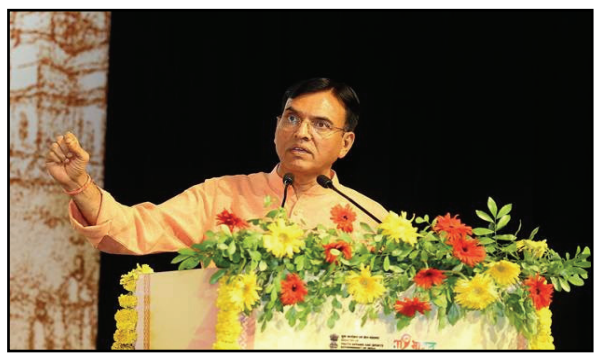

विकासशील भारत के लिए नशा मुक्त युवा विषय पर युवा आध्यात्मिक शिखर सम्मेलन आज वाराणसी के रुद्राक्ष अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र में काशी घोषणापत्र को औपचारिक रूप से अपनाने के साथ संपन्न हुआ। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित इस शिखर सम्मेलन में 600 से अधिक युवा नेता, 120 से अधिक आध्यात्मिक और सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों के प्रतिनिधि, शिक्षाविद और क्षेत्र विशेषज्ञ शामिल हुए। यह आयोजन 2047 तक नशामुक्त समाज की ओर भारत की यात्रा में एक निर्णायक क्षण को चिह्नित किया। इस सम्मेलन ने युवा ऊर्जा, आध्यात्मिक दृष्टि और संस्थागत संकल्प के राष्ट्रीय संगम का प्रतिनिधित्व किया।शिखर सम्मेलन में मादक द्रव्यों के सेवन के प्रमुख आयामों पर चर्चा करने के लिए चार केंद्रित पूर्ण सत्र आयोजित किए इसके मनोवैज्ञानिक और सामाजिक प्रभाव, मादक पदार्थों की तस्करी और आपूर्ति श्रृंखलाओं की कार्यप्रणाली, जमीनी स्तर पर जागरूकता अभियानों की रणनीतियाँ, और पुनर्वास एवं रोकथाम में आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक संस्थाओं की भूमिका। इन चचाओं के आधार पर ह्यकाशी घोषणातैयार की गई, जो भारत के सभ्यतागत ज्ञान और युवा नेतृत्व में निहित मादक द्रव्यों की लत के विरुद्ध सहयोगात्मक कार्रवाई के लिए एक दूरदर्शी प्रतिबद्धता है।शिखर सम्मेलन में, केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री, डॉ. मनसुख मांडविया ने इस बात पर जोर दिया: ₹हमने पिछले तीन दिनों में विविध विषयगत सत्रों में गहन चिंतन किया है। इस सामूहिक चिंतन के आधार पर, काशी घोषणापत्र का जन्म हुआ है, न केवल एक दस्तावेज के रूप में, बल्कि भारत की युवा शक्ति के लिए एक साझा संकल्प के रूप में।₹इन विचार-विमर्शों ने काशी घोषणापत्र की बौद्धिक और नैतिक नींव रखी, जिसने अलग-अलग विचारों को राष्ट्रहित में एकजुट किया।

फास्ट ट्रैक

29 जुलाई को मंडलीय पेंशन अदालत का होगा आयोजन

सेवानिवृत्त कार्मिकों की समस्याओं का होगा समाधान

अलीगढ़ 20 जुलाई 2025 (सू0वि0): सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पेंशन संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए मंडलीय पेंशन अदालत का आयोजन 29 जुलाई को अपराह्न 12.00 बजे से कार्यालय आयुक्त, अलीगढ़ मंडल, अलीगढ़ के सभागार में किया जाएगा।वरिष्ठ कोषाधिकारी योगेश कुमार ने बताया कि पेंशन अदालत का उद्देश्य पेंशनरों की समस्याओं को सुनकर उनका त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है। अदालत में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहेंगे, जिससे एक ही स्थान पर समस्याओं का समाधान संभव हो सकेगा। उन्होंने सभी पेंशनभोगी एवं सेवानिवृत्त कार्मिकों से अपील की है कि वे अपने संबंधित अभिलेखों के साथ समय पर उपस्थित होकर इस पेंशन अदालत का लाभ उठाएं।यह आयोजन न केवल समस्याओं के समाधान का अवसर है, बल्कि शासन की पेंशनरों के प्रति संवेदनशीलता और उत्तरदायित्व का परिचायक भी है।

उत्तर प्रदेश विधान परिषद की विनियमन समीक्षा समिति की बैठक 25 को

अलीगढ़ 20 जुलाई 2025 (सू0वि0) रू मुख्य विकास अधिकारी प्रखर कुमार सिंह ने बताया है कि उत्तर प्रदेश विधान परिषद की विनियमन समीक्षा समिति डॉ0 प्रज्ञा त्रिपाठी जी के सभापति में 24 जुलाई को रेल मार्ग द्वारा अलीगढ़ पधार रही है। माननीय समिति 25 जुलाई को 11:00 बजे से मंडल के चारों जिलों अलीगढ़, हाथरस, एटा, कासगंज के अधिकारियों के साथ पूर्व निर्धारित आठ बिंदुओं पर समीक्षा बैठक करेगी।

पिकअप और बाइक की टक्कर

दो लोगों की मौत, पिकअप चालक मौके से फरार

सुलतानपुर, कादीपुर के अखंड नगर मार्ग पर लगभग साढ़े नौ बजे एक सड़क हादसा हुआ। मलिकपुर नोनरा गैस एजेंसी के पास पिकअप ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दोनों लोगों की मौत हो गई। मृतक अखण्डनगर थाना क्षेत्र के उड़री गांव के रहने वाले थे। शेर बहादुर सिंह (35) और विजय पांडे (50) मुड़लाइ बाजार जा रहे थे। टक्कर के बाद पिकअप अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में पलट गई। मोटरसाइकिल पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घायलों को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कादीपुर ले जाया गया। डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। पिकअप चालक मौके से फरार हो गया। कोतवाली कादीपुर प्रभारी श्याम सुंदर निरीक्षक मौके पर पहुंचे। जेसीबी की मदद से पिकअप को निकालकर पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया।

दो गैंग के बीच मारपीट

मोतिगरपुर में वर्चस्व की लड़ाई, मामला संज्ञान में आने के बाद 11 लोगों पर केस दर्ज

सुलतानपुर, मोतिगरपुर थाना क्षेत्र में दो गैंग के बीच वर्चस्व की लड़ाई में फायरिंग की घटना सामने आई है। दियरा बाजार के पास शुक्रवार देर रात हुई इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। जयसिंहपुर के धरसौली निवासी आदित्य सिंह उर्फ आदी और गोसाईगंज के जासापारा निवासी शक्ति सिंह उर्फ शाका के गैंग के बीच पुरानी रंजिश चल रही है। दोनों गैंग के सदस्य लाठी-डंडे, रॉड और धारदार हथियारों से लैस थे। कुछ लोगों ने फायरिंग भी की, लेकिन किसी को गोली नहीं लगी। फायरिंग की आवाज से डरे ग्रामीण अपने घरों में छिप गए। घटना की सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक विजय सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। एसपी कुँवर अनुपम सिंह के निर्देश पर विशेष जांच टीम का गठन किया गया है। वायरल वीडियो और गवाहों के बयान के आधार पर 11 लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की गई है।

इस सोमवार भगवान विष्णु और शिव पूजा के बन रहे विशेष योग

कामिका एकादशी के संयोग में जलाभिषेक से मिलेगी समृद्धि : स्वामी पूर्णानन्द पुरी जी महाराज

भारत संवाद

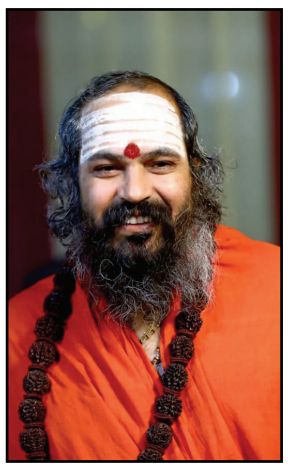

अलीगढ ।सनातन धर्म में शिव उपासना के लिए सावन महीने को अत्यंत पवित्र महीना माना गया है। उस में भी सावन के सोमवार का विशेष महत्व होता है ।इस दिन लोग व्रत जप तप और जलाभिषेक से भगवान शिव को प्रसन्न करते हैं ।इस बार श्रावण के द्वितीय सोमवार को कई शुभ ग्रहों के योग बन रहे हैं,जिनमें वृद्धि योग, ध्रुव योग, गौरी योग, सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग शामिल हैं। यह दिन कामिका एकादशी तिथि के साथ पड़ रहा है, जिससे यह भगवान शिव और भगवान विष्णु दोनों की कृपा प्राप्त करने का विशेष अवसर है। उक्त जानकारी वैदिक ज्योतिष संस्थान पर चल रहे अनुष्ठान में भक्तों के बीच स्वामी पूर्णानन्द पुरी महाराज ने दी।

स्वामी जी जानकारी देते हुए कहा कि इस बार सावन का दूसरा शुभ सोमवार 21 जुलाई को पड़ रहा है, इसके साथ ही इस दिन कामिका एकादशी का भी संयोग बन रहा है ।सावन में पड़ने वाली एकादशी को कामिका एकादशी कहा जाता है ।यह भगवान विष्णु की आराधना का दिन होता है ।इस दिन भगवान विष्णु की पूजा अर्चना और व्रत अत्यंत फलकारी होता है ।अब जब यह दो महत्वपूर्ण दिन एक साथ पड़ रहे हैं तो ऐसे में इस दिन भगवान विष्णु और शिव की आराधना साथ में करने से कई गुना फल की प्राप्ति होगी । शिव और विष्णु की उपासना का सनातन धर्म में अत्यधिक महत्व है, क्योंकि ये दोनों प्रमुख देवता त्रिमूर्ति का हिस्सा हैं और सृष्टि के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, शिव संहारक और विष्णु पालनकर्ता हैं, और उनकी एक साथ पूजा करने से तीनों लोकों के पालनहार और संहारक दोनों का आशीर्वाद प्राप्त होता है, जिससे जीवन में उन्नति और तरक्की होती है।

स्वामी जी ने मुहूर्त के विषय में जानकारी देते हुए कहा कि सोमवार के स्वामी चन्द्रमा होते है जोकि रोहिणी नक्षत्र में उच्च के होकर गौरी योग बनाते हुए अपनी उच्च राशि वृषभ में दिन रात गोचर करेंगे साथ ही रोहिणी नक्षत्र के संयोग में वृद्धि और सर्वार्थ सिद्धि योग बनने से साधकों को मनोनुकूल पुण्य कि प्राप्ति कराएँगे। वृद्धि योग, सर्वार्थ सिद्धि योग, अमृत सिद्धि योग, का संयोग भी प्राप्त हो रहा है जिस से भक्तों कि व्यापार बृद्धि के साथ स्वास्थ्य लाभ का भी यो प्राप्त होगा ।इस दिन वृद्धि योग शाम को 6:39 तक रहेगा ।वहीं सिद्धि योग पूरे दिन बना रहेगा। रात के 9:00 बजे अमृत सिद्धि योग का भी निर्माण होगा। ऐसे में आप भगवान शिव और विष्णु का पूजन कर भोग और मोक्ष की कामना कर सकते है ।इस दिन महादेव के साथ-साथ श्रीहरि का भी जलाभिषेक करना भक्तों के लिए अत्यंत शुभ और लाभकारी होगा। विल्वपत्र, तुलसी से अनुष्ठान, उपवास, पूजा-अर्चना और मंत्र जाप करने से आर्थिक समृद्धि, रोग मुक्ति और पारिवारिक सुख की प्राप्ति का आशीर्वाद प्राप्त होगा। शिव की पूजा से भक्तों को आर्थिक संकटों से मुक्ति, सुख-शांति और समृद्धि प्राप्त होती है, जबकि विष्णु की पूजा से आध्यात्मिक वैराग्य और आध्यात्मिक जुड़ाव महसूस होता है ।₹संकर प्रिय मम द्रोही, सिव द्रोही मम दास।

ते नर करहिं कलप भरि, घोर नरक महुँ बास ॥₹ जिनको शिव जी प्रिय हैं, किंतु जो मुझसे विरोध रखते हैं, या जो शिव जी से विरोध रखते हैं और मेरे दास बनना चाहते हैं, वे मनुष्य एक कल्प तक घोर नरक में पड़े रहते हैं। इसलिए श्री शंकर जी में और श्री विष्णु जी में कोई ऊँच-नीच का भेद नहीं मानना चाहिए।शिव और विष्णु एक ही

स्मैक तस्करों पर कार्रवाई

- मुसाफिरखाना पुलिस ने दो युवकों को 45 ग्राम स्मैक के साथ दबोचा, दोनों का आपराधिक रिकॉर्ड

भारत संवाद

अमेठी, पुलिस ने नशा मुक्त अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। मुसाफिरखाना थाना पुलिस ने 20 जुलाई को दो अभियुक्तों को 45 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान में मुसाफिरखाना पुलिस को यह सफलता मिली। पकड़े गए आरोपियों में मोहम्मद कैफ और मोहम्मद नशीर शामिल हैं। दोनों की उम्र 25 वर्ष है और ग्राम तकिया मजरे जमुवारी के रहने वाले हैं। तलाशी के दौरान मोहम्मद कैफ से 20 ग्राम और मोहम्मद नशीर से 25 ग्राम स्मैक बरामद हुई। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि मोहम्मद कैफ पर पहले से आर्म्स एक्ट के दो मामले दर्ज हैं। वहीं मोहम्मद नशीर पर एनडीपीएस एक्ट का एक मामला पहले से दर्ज है। गिरफ्तारी में थाना प्रभारी विवेक कुमार सिंह समेत पांच पुलिसकर्मियों की टीम शामिल रही।

धार्मिक पहचान छिपाकर व्यापार का विरोध

हिंदू नामों से दुकान चला रहे मुस्लिम व्यापारियों के खिलाफ पुलिस में शिकायत

भारत संवाद

अमेठी जिला, एक विवादास्पद मामला सामने आया है। हिंदू समाज के लोगों ने आरोप लगाया है कि कुछ मुस्लिम व्यापारी हिंदू नामों का इस्तेमाल कर दुकानें चला रहे हैं। इस मामले में कथावाचक पवन पांडेय के नेतृत्व में बड़ी संख्या में लोगों ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है। विशेष रूप से सावन के पवित्र महीने में यह मामला सामने आया है, जब कांवड़िया शिव मंदिरों में जल चढ़ाने जा रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने गौरा गांव स्थित हनुमानगढ़ी मंदिर के पास संचालित हो रही अंडे की दुकान को भी बंद करवाने की मांग की है। प्रदेश सरकार के निदेर्शों के बावजूद कुछ व्यापारी अपनी धार्मिक पहचान छिपाकर व्यवसाय कर रहे हैं। हिंदू समाज के प्रतिनिधियों ने पुलिस से ऐसी सभी दुकानों पर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि उचित कार्रवाई नहीं की गई तो वे बड़े पैमाने पर आंदोलन करेंगे। पुलिस ने शिकायत प्राप्त कर ली है और मामले की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय प्रशासन सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए स्थिति पर नजर रख रहा है।

मंडलायुक्त ने सिविल सेवा अभ्यर्थियों को दिए सफलता के मंत्र

आई-कॉप सूत्र के माध्यम से आत्मविश्वास, अनुशासन एवं जानकारी पर दिया जोर

भारत संवाद

अलीगढ़ 2025 (सू0वि0): मंडलायुक्त अलीगढ़ श्रीमती संगीता सिंह ने रविवार को डीएवी इंटर कॉलेज में आयोजित सिविल सर्विसेज मार्गदर्शिका कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए आगामी आरओ, एआरओ परीक्षा की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों से संवाद किया। उन्होंने अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आत्मविश्वास, समय प्रबंधन, नियमित अभ्यास और सकारात्मक सोच के साथ लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। मंडलायुक्त ने कहा कि देश की भावी रीढ़ बनने की दिशा में अभ्यर्थियों को केवल किताबी ज्ञान ही नहीं, बल्कि व्यवहारिक सोच, अनुशासन, धैर्य और आत्ममूल्यांकन की आवश्यकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को आई-कॉप मंत्र देते हुए समझाया कि आई यानी इंफॉर्मेशन, सी यानी क्लियरिटी एवं कन्सन्ट्रेशन, ओ यानी ऑब्जर्वेशन और पी यानी प्रेजेंटेशन सही होना चाहिए।

उन्होंने अभ्यर्थियों से आह्वान किया कि वे इंटरनेट का सदुपयोग करते हुए जानकारी बढ़ाएं, नियमित समाचार पत्र पढ़ने की आदत डालें, मॉक टेस्ट और रिवीजन शेड्यूल पर विशेष ध्यान दें और साक्षात्कार कौशल विकसित करें। उन्होंने यह भी कहा कि गलतियों से सीखते हुए निरंतर सुधार की दिशा में प्रयास करते रहना चाहिए। मंडलायुक्त ने कहा कि कोशिश करें कि आज से कल बेहतर हो, सफलता क्या है यह ईश्वर तय करता है, लेकिन हमारा कर्तव्य प्रयास करना है। उन्होंने युवाओं को व्यवहार और संवाद कौशल पर भी ध्यान देने की सलाह दी। इस दौरान मंडलायुक्त ने आर ओ, एआरओ के लिए आयोजित की जा रही अभ्यास परीक्षा का भी प्रत्येक कक्षा में जाकर जायजा भी लिया।इस अवसर पर कार्यक्रम से जुड़े अपर सांख्यिकी अधिकारी राजवीर सिंह ने जानकारी दी कि 27 जुलाई को आयोजित होने वाली आरओ, एआरओ परीक्षा में सीएसएम (सिविल सर्विसेज मार्गदर्शिका) के अंतर्गत निःशुल्क तैयारी कर रहे 200 से अधिक अभ्यर्थी प्रतिभाग करेंगे। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. विपिन वार्ष्णेय ने बताया कि मॉक परीक्षा के माध्यम से अभ्यर्थियों को आत्ममूल्यांकन का अवसर दिया जा रहा है। उन्होंने आगे भी सीएसएम को पूर्ण सहयोग का आश्वासन भी दिया।

सीएसएम से जुड़े रिंकू सहयोगी ने बताया कि यह मंच स्नातक स्तर के विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की दिशा में मार्गदर्शन और प्रेरणा प्रदान कर रहा है।

सफलता के मंत्र

एएमयू में ग्रेविटी क्लासेस की हुई सेमिनार में छात्रों को दिये सफलता के मंत्र

जीवन में लक्ष्य निर्धारित करना ही सफल छात्र के गुण: अशफाक

भारत संवाद

अलीगढ़ । अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के डिप्लोमा ऑडिटोरियम में ग्रेविटी क्लासेस के द्वारा कैरियर काउंसलिंग सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें 200 से अधिक छात्र-छात्राओं और उनके अभिभावकों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर छात्रों को उनकी सफलता के लिए टिप्स दिये गये। ग्रेविटी क्लासेस के डायरेक्टर अकबर कमाल ने छात्रों को जेईई, नीट और ओलंपियाड के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि छात्रों को इस सेमिनार के माध्यम से भविष्य में अपनी तैयारी सुनियोजित और क्रमबद्ध तरीके से करने का अवसर मिलेगा। ग्रेविटी क्लासेस के संस्थापक मोहम्मद अशफाक ने कहा ह्ययह कार्यक्रम छात्रों के लिए एक मूल्यवान संसाधन होगा और भविष्य में करियर काउंसलिंग कार्यक्रम अलीगढ़ में अलग-अलग जगहों पर आयोजित किये जाएंगे। उन्होंने छात्रों को उनके जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए टिप्स देते हुए बताया कि जीवन में लक्ष्य निर्धारित करना ही सफल छात्र के गुण होते हैं। बिना लक्ष्य के किसी भी कार्य में सफलता नहीं मिलती है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में ग्रेविटी क्लासेस के द्वारा लखनऊ में करीब 300 छात्रों को निःशुल्क कोचिंग दी जा रही है। जबकि ऑनलाइन में करीब 3 से 4 हजार छात्र निःशुल्क क्लासेस कर रहे हैं। उन्होंने अलीगढ़ के छात्रों के बीच घोषणा की कि यदि कोई होनहार छात्र है और उसके सामने आर्थिक समस्या आती है, तो ग्रेविटी क्लासेस द्वारा अभी हाल ही में ऐसे करीब 25 छात्रों को निःशुल्क कोचिंग दी जाएगी। उन्होंने बताया कि अगर उन्हें छात्र पढ़ाई में जुझारू और होनहार मिले, तो यह संख्या भी 300 से अधिक होगी।

कचरा प्रबंधन की लापरवाही

सड़क किनारे कूड़े के ढेर से ग्रामीण परेशान, प्रशासन मौन

भारत संवाद

अमेठी जिला, नगर पंचायत द्वारा कचरा प्रबंधन में की जा रही लापरवाही से स्थानीय निवासी परेशान हैं। जंगल रामनगर के मुराई का पुरवा गांव के पास सड़क किनारे नगर पंचायत कूड़ा डाल रही है। स्थानीय निवासी अरुण कुमार मौर्य ने बताया कि यह समस्या पिछले दो साल से चल रही है। एसडीएम को कई बार शिकायत की गई। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। नगर पंचायत के पास कूड़े के निष्पादन का कोई निर्धारित स्थल नहीं है। पहले कूड़ा खेरौना गांव के पास डाला जाता था। वहां के ग्रामीणों के विरोध के बाद स्थल बदल दिया गया। अब मुराई का पुरवा के पास सड़क किनारे कूड़ा डाला जा रहा है। इससे आवागमन प्रभावित हो रहा है। साथ ही संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। एसडीएम आशीष कुमार सिंह से संपर्क का प्रयास किया गया। लेकिन उनसे बात नहीं हो सकी। स्थानीय प्रशासन ने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है। चेयरमैन अंजू कसौंधन के अनुसार, ईओ का स्थानांतरण हो गया है।

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा ।फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट में बनाएं करियर

कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के साथ शुरू होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब व्यक्ति के पास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और क्षमताओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट आपके भविष्य के कॅरियर के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए संसाधनों के निवेश की एक लंबी प्रक्रिया है। कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया विभिन्न अवधारणाओं को अपनाती है, जैसे- आत्म-जागरूकता, कॅरियर विकास योजना और करियर अन्वेषण, जीवन भर सीखने की क्षमता और नेटवर्किंग। कॅरियर में अर्ध-कुशल से लेकर कुशल और अर्ध पेशेवर से पेशेवर तक के सभी प्रकार के रोजगार शामिल हैं। कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के साथ शुरू होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब व्यक्ति के पास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और क्षमताओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है। हालांकि, पूरी करियर प्रबंधन प्रक्रिया परिभाषित लक्ष्यों और उद्देश्यों की स्थापना पर ही आधारित होती है।

मुख्य उद्देश्य

सामान्य शब्दों में परिचालन प्रबंधन किसी संगठन के लाभ को अधिकतम करने के उद्देश्य से एक कुशल तरीके से सामग्रियों और श्रम को वांछित वस्तुओं और सेवाओं में परिवर्तित करने से संबंधित है। यह उपलब्ध संसाधनों की खरीद और उपयोग करके उत्पादन को अधिकतम करता है, जिसमें कच्चे माल, उपकरण, प्रौद्योगिकी, सूचना और अन्य क्षेत्र शामिल हैं। उत्पादन की प्रक्रिया की योजना, डिजाइनिंग, आयोजन, नियंत्रण और अनुकूलन के साथ इसका अधिक सम्बन्ध होता है। संचालन प्रबंधन यह सुनिश्चित करता है कि एक इकाई कुशलतापूर्वक और सफलतापूर्वक इनपुट को आउटपुट में कैसे बदल देती है। यह स्पष्ट है कि संचालन प्रबंधन डिलीवरी ओरिएंटेड होता है। हालांकि, संचालन प्रबंधन को लॉजिस्टिक्स प्रबंधन के समान नहीं माना जाना चाहिए। संचालन प्रबंधन व्यापक है और लॉजिस्टिक्स प्रबंधन इसका एक हिस्सा है। लॉजिस्टिक्स प्रबंधन किसी अभियान, योजना, परियोजना या रणनीति के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए श्रमिकों, सामग्री और अन्य संसाधनों की खरीद, निष्पादन और नियंत्रण की योजना बनाता है। विनिर्माण और सेवा संगठनों दोनों को ही संचालन प्रबंधन के कार्य की आवश्यकता होती है, जो एक प्रक्रिया को शुरू से लेकर अंत तक कवर करता है। सदियों से विनिर्माण उद्योग फल-फूल रहे हैं। अब सेवा क्षेत्र में तेजी के साथ परिचालन प्रबंधकों के लिए अवसर कई गुना बढ़ गए हैं।

जॉब रोल्स

- सप्लाई चेन मैनेजर
- एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस मैनेजर
- प्लांट मैनेजर
- ह्यूमन रिसोर्सेज मैनेजर
- परचेस मैनेजर
- फैसिलिटी मैनेजर
- इन्वेंटरी कण्ट्रोल मैनेजर

रोजगार के अवसर

एक ऑपरेशन मैनेजर के रूप में इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने की इच्छा रखने वालों के लिए रोजगार के ढेरों अवसर होते हैं। सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में संचालन प्रबंधकों के लिए बहुत स्कोप है। कुछ शीर्ष क्षेत्र इस प्रकार हैं :

- स्वास्थ्य
- कॉर्पोरेट व्यवसाय
- बहुराष्ट्रीय कंपनियां
- हॉस्पिटैलिटी
- विनिर्माण और खुदरा
- बीमा क्षेत्र
- वित्तीय संस्थाए
- सूचना प्रौद्योगिकी
- ई-कॉमर्स
- वेयरहाउसिंग
- निर्माण
- सलाहकारी फर्में

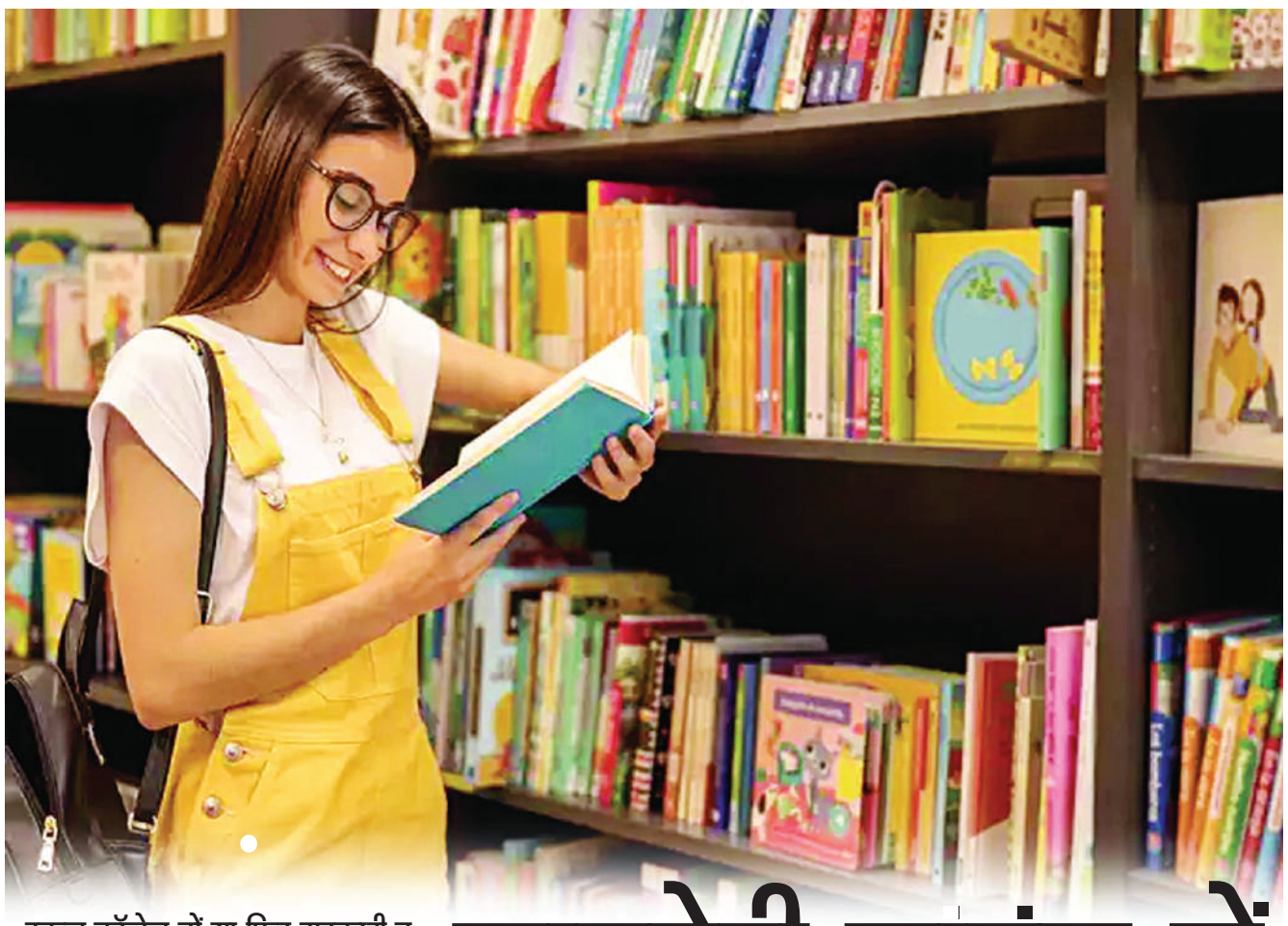

लाइब्रेरी साइंस में क्या है करियर स्कोप

स्कूल कॉलेज हों या फिर सरकारी व प्राइवेट संस्थान हर जगह डॉक्यूमेंट्स को संभालने व संरक्षण करने के लिए लाइब्रेरी का उपयोग होता है। इस लाइब्रेरी में किताबों की देखभाल करने वाले को लाइब्रेरियन कहा जाता है।

अगर आपको भी किताबों से प्यार है और ज्ञान के भंडार के बीच अपना समय बीताना चाहते हैं, तो लाइग्ररियन बन सकते हैं, इसके लिए आपको लाइब्रेरी साइंस का कोर्स करना पड़ेगा, जिसके बाद आप लाइब्रेरी अटेंडेंट, लाइब्रेरी असिस्टेंट, जूनियर लाइब्रेरियन और लाइब्रेरियन जैसे पदों पर रहकर अच्छा करियर बना सकते हैं।

क्या है लाइब्रेरी साइंस का कोर्स

लाइब्रेरी साइंस का दायरा काफी बड़ा है, आज के समय यह एक हाईटेक कार्य के रूप में जाना जाता है। इसलिए इसमें करियर के अवसर भी काफी ज्यादा नजर आ रहे हैं। इस कोर्स के तहत छात्रों को लाइब्रेरी और इंफॉर्मेशन सिस्टम मैनेजमेंट, डॉक्यूमेंटेशन, मैनुस्क्रिप्ट, कैटलॉग, बिबलियोग्राफी आदि के बारे में पढ़ाया जाता है। इस क्षेत्र में अगर आप करियर बनाना चाहते हैं, तो आपको कंप्यूटर की बेसिक जानकारी भी होना जरूरी है। क्योंकि आजकल सारे डेटा और रिकॉर्ड कंप्यूटर पर ही रखे जाते हैं।

लाइब्रेरी साइंस में कोर्स

अगर आप लाइब्रेरी साइंस में करियर बनाना चाहते हैं तो आप डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स कर सकते हैं। इसके लिए कैंडिडेट्स को किसी भी स्ट्रीम से 12वीं पास होना चाहिए। वहीं बैचलर इन लाइब्रेरी साइंस या बैचलर इन लाइब्रेरी एंड इन्फॉर्मेशन साइंस के लिए आपको किसी भी स्ट्रीम से ग्रेजुएट होना होगा। बैचलर करने के बाद आम मास्टर इन लाइब्रेरी साइंस भी कर सकते हैं। इसके बाद आप एमफिल या पीएचडी कर रिसर्च या टीचिंग के सेक्टर में भी जा सकते हैं।

करियर स्कोप क्या है

लाइब्रेरी साइंस में इस समय जॉब्स की कमी नहीं है, लाइब्रेरी साइंस में ग्रेजुएट होने के बाद आप सरकारी और प्राइवेट दोनों सेक्टर में जॉब कर सकते हैं। जिस तरह से दिन- प्रतिदिन यूनिवर्सिटी और कॉलेज की संख्या बढ़ रहा है, ठीक उसी प्रकार इस सेक्टर में जॉब के अवसर भी बढ़ रहे हैं। आप किसी भी स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी, प्राइवेट संस्थान, प्राइवेट लाइब्रेरी, म्यूजियम आदि में लाइब्रेरियन के तौर पर काम कर सकते हैं। इसके अलावा न्यूजपेपर और न्यूज़ चैनल्स में भी लाइब्रेरियन की नियुक्ति की जाती हैं। अब तो कॉरपोरेट कंपनियों में भी लाइब्रेरी को प्रमोट किया जाता है, ऐसे में यहां पर भी अच्छी सैलेरी के साथ जॉब मिल सकती है। अब जमाना डिजिटल हो चुका है, इसलिए अब ऑनलाइन लाइब्रेरी या कंप्यूटर लाइब्रेरी, डिजिटल लाइब्रेरी का चलन तेजी से बढ़ा है।

करियर ऑप्शन क्या है

अब लाइब्रेरी साइंस काफी विकसित सेक्टर के रूप में जाना जाता है। जिसकी जरूरत हर जगह पर पड़ती है। जिसके कारण इस क्षेत्र में करियर के अनेक ऑप्शन हैं। आप कोर्स पूरा कर निम्न पदों पर रहकर करियर बना सकते हैं। जिसमें जूनियर लाइब्रेरियन, सहायक लाइब्रेरियन, डिप्टी लाइब्रेरियन, लाइब्रेरियन, लाइब्रेरी अटेंडेंट, पुस्तकालय सहायक, शोधकर्ता व वैज्ञानिक, सलाहकार, तकनीकी सहायक, अभिलेख प्रबंधक, सूचना केंद्र का प्रमुख, वरिष्ठ सूचना विश्लेषक, कानून लाइब्रेरियन, इंडेक्सर, सूचना वास्तुकार, पुरालेखपाल शामिल है।

कितनी मिलती है सैलरी

लाइब्रेरी साइंस में कोर्स करने के बाद आप प्रेशर के तौर पर 20 से 30 हजार रूपए कमा सकते हैं, इसके बाद जिस तरह से आपका अनुभ्व बढ़ेगा, उसी के अनुसार आपका पद और वेतन भी बढ़ेगा। वहीं अगर आपकी जॉब गवर्नमेंट सेक्टर में लग गया तो आप हर माह लाखों रुपए कमा सकते हैं।

आईआईटी में एडमिशन दिलाएंगी ये टिप्स

देश में इंजीनियर बनने की चाह रखने वाले हर स्टूडेंट की चाहत होती है कि वह इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) से इंजीनियरिंग करे। आईआईटी में एडमिशन के लिए स्टूडेंट्स को जेईई मेन एवं जेईई एडवांस परीक्षा पास करनी होती है। यहां हम आपको तैयारी के लिए कुछ आसान टिप्स बता रहे हैं।

बनाएं स्टडी प्लान

सबसे पहले सिलेबस के अनुसार अपना स्टडी प्लान बनाएं। जेईई मेन और जेईई एडवांस दोनों के सिलेबस लगभग समान होते हैं।

सेट करें वीकली और डेली टारगेट

स्टडी के लिए न्यूनतम घंटे तय करें। इसके साथ ही डेली या वीकली टारगेट सेट करें।

एनसीईआरटी की लें मदद

बेसिक तैयारी के लिए एनसीईआरटी बुक्स बहुत अच्छी मानी जाती हैं। इस कारण 11वीं से ही इन बुक्स से तैयारी करें।

क्लियर करें कॉन्सेप्ट

जेईई परीक्षा में आपके बेसिक्स की जांच होती है। पहले बेसिक कॉन्सेप्ट को समझें और इसके लिए थ्योरी पार्ट को पढ़ें।

स्मार्ट स्टडी

हार्ड वर्क के साथ ही स्मार्ट वर्क करें। इसके लिए नोट्स बनाएं, इंपॉर्टेंट प्वाइंट्स, फॉर्मूला, शॉर्टकट, रिएक्शन आदि के साथ स्मार्ट स्टडी करें।

मॉक टेस्ट पेपर

अपनी स्पीड, लर्निंग एक्यूरेसी और टाइम मैनेजमेंट स्किल को परखने के लिए ऑनलाइन मॉक टेस्ट पेपर सॉल्व करें।

कर सकते हैं कोचिंग

टफ और डाउट वाले प्रश्नों को आसानी से समझने के लिए आप कोचिंग भी ज्वॉइन कर सकते हैं।

12वीं में पीसीएम लेने के मतलब सिर्फ इंजीनियर बनना ही नहीं

छात्रों के बीच एक आम धारणा है कि 12वीं में मैथ्य लेने का मतलब है इंजीनियरिंग करना और साइंस लेने का मतलब है डॉक्टर बनना, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हर बच्चा सिर्फ इंजीनियर या डॉक्टर बनना चाहता है। कई बच्चे ऐसे भी हैं जो अलग फील्ड में जाना चाहते हैं।

बन सकते हैं पायलेट

अगर आप बचपन से उड़ते हुए प्लेन को देख कर मंत्रमुग्ध हो जाते हैं और इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आप पायलट पाठ्यक्रम भी चुन सकते है। इसका कोर्स प्राइवेट कॉलेज भी करवाते है। हवाई यात्रा सस्ती होने के साथ, विमान उद्योग तेज गति उन्नति कर रहा है और वाणिज्यिक पायलटों की आवश्यकता भी दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। यदि आप आकाश में उड़ना चाहते हैं और पायलट बनना कहते है तो यह कोर्स आपके लिए परफेक्ट है।

मर्चेंट नेवी

यह कोर्स आज के समय में बेहतर ऑप्शंस है। इसमें आप मरीन इंजीनियरिंग, नॉटिकल साइंस, शिप मेंटेनेंस आदि कोर्स कर सकते हैं। यह देश में सबसे अधिक सैलरी देने वाले कोर्सेज में से एक है। इसमें आपको कई देशों का सफर करने का मौका मिलता है तथा देश की सेवा करने का भी मौका मिलता है। काफी युवा छात्र मर्चेंट नेवी को अपना करियर बनाते है यह छात्रों की एक मनपसंद फील्ड है।

एनीमेशन का फील्ड

अगर आप क्रिएटिव हैं तो एनीमेशन के फील्ड में जा सकते हैं। 12वीं के बाद एनीमेशन की फील्ड में करियर बनाने का सपना काफी छात्रों का होता है। एनीमेशन की फील्ड काफी ज्यादा क्रिएटिव और मनोरंजक फील्ड है। इसमें छात्रों को कुछ नया करने को मिलता है। आज कल के समय में एनिमेटेड मूवीज, कार्टून्स काफी ज्यादा लोकप्रिय है ऐसे में एनीमेशन की फील्ड में बहुत कुछ कर दिखने का मौका है। कुछ साल पहले तक, केवल निजी संस्थान थे जो एनीमेशन के लिए प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम प्रदान करते थे, परन्तु अब काफी इंस्टीटूट्स खुल गए है जो एनीमेशन का कोर्स करवाते है तथा नौकरी भी दिलाते है।

वीडियो गेम

कोरोना के बाद वीडियो गेम उद्योग बूस्ट पर चल रहा है। भारत में आज कई इंटरनेशन व नेशनल कंपनियां इस फील्ड में काम कर रही हैं। इस फील्ड में आपको कंप्यूटर लैंग्वेज पढ़ाई जाएगी और ग्राफिक डिजाइनिंग के बारे सिखाया जाता है। इस फील्ड में भी बहुत ज्यादा क्रिएटिविटी की जरुरत है। इस फील्ड में वेतन भी बहुत अच्छा है तथा भविष्य भी बहुत बढ़िया है।

एप डेवलपर

इस समय डिजिटल दुनिया में सब कुछ ऑनलाइन होता जा रहा है ऐसे में एप डेवलपर का भविष्य बहुत ही अच्छा है। आप एप डेवलपिंग का कोर्स ज्वाइन कर के अपना करियर इस फील्ड में बना सकते है। इसमें वेतन भी बहुत ज्यादा मिलता है। आजकल सभी लोग अपना व्यवसाय ऑनलाइन करते जा रहे है ऐसे में सभी अपना एप बनवाते है और अपने बिजनेस को या प्रोडक्ट तो प्रमोट करते है इसलिए यह भी एक बहुत अच्छा करियर ऑप्शन है।

सॉफ्टवेयर डेवलपर

आज के समय में यहां सैकड़ों आईटी फर्म हैं और दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। और ये आईटी फर्म एक बढ़िया 7 फिगर सैलरी देती है अपने सॉफ्टवेयर डेवलपर को। अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट, गूगल ये सभी कम्पनीज सॉफ्टवेयर डेवलपर हायर करती है और अच्छा वेतन देती है। आजकल तो सभी बैंक्स भी ऑनलाइन हो गए है और लगभग सभी ऑफिसेस भी अपना सॉफ्टवेयर डेवेलप करवाते है। ऐसे में ये एक ऐसा करियर है जिसमे कभी पीछे नहीं मुड़ना पड़ेगा। सभी आईटी फर्म्स सॉफ्टवेयर डेवलपर को रखती है और अच्छा वेतन देती है।

बीसीए भी है ऑप्शन

अगर आप 12 वीं के बाद करियर ऑप्शन देख रहे हैं तो आपके लिए बीसीए एक बढ़िया करियर ऑप्शन हो सकता है। अगर आपको कंप्यूटर में इंटरेस्ट है तो बीसीए आपके लिए बढ़िया चुनाव रहेगा। बीसीए करने के बाद आप किसी अच्छी आईटी कंपनी में जॉब कर सकते है और अगर आप बीसीए के बाद पोस्ट ग्रेजुएट एमसीए भी कर लेंगे तो कंप्यूटर की फील्ड में एक अच्छा करियर बना सकते है तथा उच्च वेतन की नौकरी भी मिल सकती है।

आप पेंटिंग या ड्राइंग के साथ अपना स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। पेंटिंग डिपार्टमेंट से आप म्यूरल के लिए भी जा सकते हैं।

पेंटिंग, ड्राइंग, मूर्तिकला के साथ अन्य कला में बनाएं करियर

बदलते समय के साथ लोगों की सोच भी बदल रही है, खास कर ऐसे माता- पिता की जो अपने बच्चों पर बचपन से ही डॉक्टर-इंजीनियर बनने का दबाव डालते और इसे ही करियर के लिए सबसे बेहतर मानते थे। आज के समय में करियर के कई विकल्प खुल गए हैं। अब सिर्फ कॉमर्स या साइंस जैसे स्ट्रीम ही करियर की संभावना नहीं रह गया है। यही कारण है की मां-बाप अपने बच्चों को पसंद के अनुसार अपना करियर बनाने का मौका दे रहे हैं। इस समय फैशन एक ऐसा क्षेत्र है जो युवाओं को खुलकर जीने का मौका दे रहा है, जिससे आज युवा बैचलर ऑफ फाइन आर्ट की तरफ आकर्षित हो रहे हैं और पेंटिंग, ड्राइंग, मूर्तिकला के साथ अन्य कला में अपनी प्रतिभा निखारने के साथ अपना करियर बना रहे हैं।

क्या है बैचलर ऑफ फाइन आर्ट

बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स का स्वरूप बहुत बड़ा है। इसमें छात्रों को नृत्य, चित्र, फोटोग्राफी, फिल्म, वास्तुकला, आदि की शिक्षा दी जाती है। यह कोर्स आप 12वीं के बाद कर सकते हैं, ज्यादातर शैक्षणिक संस्थानों में बीएफए चार सालों का कोर्स होता है। शुरूआती सालों में आपको विजुअल आर्ट के सभी विषयों की जानकारी दी जाती है लेकिन अंतिम साल में आपको स्पेशलाइजेशन के रुप में एक विषय चुनना होता है।

जरूरी स्किल

अगर आप इस क्षेत्र में कैरियर बनाना चाहते है तो आपको कला की अच्छी समझ होनीं चाहिए। इसके लिए आपमें कल्पनाशीलता और क्रिएटिविटी जैसी स्किल की बेसिक जानकारी जरूरी है। इसके अलावा थिंकिंग पावर और ड्राइंग, पेंटिंग, स्कैचिंग की अच्छी समझ होना जरूरी है। वहीं इस फील्ड के लिए आप नए- नए एक्सपेरिमेंट करते रहना जरूरी है, जिससे आपकी कला का और विकास हो सके। एक पेंटर के रूप में, एक उम्मीदवार विभिन्न कलाकृतियां बना सकता है जैसे कि वाटर कलर पेंटिंग, ऑइल पेंटिंग, इंक वॉश पेंटिंग, ऐक्रेलिक पेंटिंग, पेस्टल कलर पेंटिंग, ग्लास पेंटिंग, एनकॉस्टिक पेंटिंग आदि। एक पेंटर आमतौर पर स्वतंत्र रूप से काम करता है या उसका प्रदर्शन करता है।

करियर

यह एक ऐसा सेक्टर है जहां पर छात्रों को बीएफए कोर्स करने के बाद आसानी से जॉब मिल जाती है। आज कल बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स में काफी बच्चों को दिलचस्पी होती है। बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स एडवरटाइजिंग कम्पनीज, आर्ट स्टूडियोज, बाउटिकेस आदि जगहों पर जॉब कर सकते हैं। आज के समय में बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स का क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ रहा है। वहीं अच्छी पेंटिग्स भी लाखों- करोड़ो रुपए में बिक रही हैं, जिससे कलाकारों को उसका पूरा फायदा भी मिल रहा है। अगर आप चाहें तो आप इसमें एमए करके रिसर्च के लिए जा सकते हैं और इसके बाद आप किसी प्राइवेट संस्थान या किसी सरकारी कॉलेज में पढ़ा सकते हैं। वैसे तो कोर्स पूरा होने के पहले ही अगर आपने मेहनत की तो आपको सफलता मिलनी शुरू हो जाती है, ज्यादातर को प्राइवेट संस्थानों में, घरों और ऑफिसों, सरकार की तरफ से दीवारों को सजाने या उनपर पेंट, पोर्ट्रेट बनाने जैसे काम मिलने शुरू हो जाते हैं। फ्रीलांस आर्टिस्ट के तौर पर भी आप कार्य कर सकते हैं।

क्या होती है जॉब प्रोफाइल

एक पेंटर बनने के लिए आपको बीए इन ड्राइंग एंड पेंटिंग, बीएफए पेंटिंग, बीए इन पेंटिंग, बीए इन विजुअल आर्ट्स, बीएफए एप्लाइड आर्ट्स, एमएफए, एमए इन ड्राइंग एंड पेंटिंग, डिप्लोमा इन पेंटिंग का कोर्स करना पड़ेगा। जिसके बाद आप पेंटर, क्राफ्ट आर्टिस्ट, विजुअलाइजेशन प्रोफेशनल, इलेस्ट्रेटेर, डिजिटल डिजाइनर, ग्राफिक डिजाइनर, आर्ट प्रोफेशनल, आर्ट डायरेक्टर, आर्ट कंजरवेटरआर्ट, डनेपनउ, आर्ट रेस्टोरेशन स्पेसलिस्ट, मुरलिस्ट पेंटर, कॉमिक आर्टिस्ट, एंटीरियर डिजाइनर से जॉब प्रोफाइल पर कार्य कर सकते हैं।

सऊदी अरब के स्लीपिंग प्रिंस का निधन

20 साल से कोमा में थे; 15 साल की उम्र में लंदन में हुआ था एक्सीडेंट

एजेंसी

रियाद, सऊदी अरब के प्रिंस अल वलीद बिन खालिद बिन तलाल अल सऊद का शनिवार को निधन हो गया। वे पिछले 20 साल से कोमा में थे। उन्हें स्लीपिंग प्रिंस (सोते हुए राजकुमार) के नाम से जाना जाता था। प्रिंस अल वलीद सऊदी अरब के राजपरिवार के वरिष्ठ सदस्य प्रिंस खालिद बिन तलाल के बेटे और अरबपति प्रिंस अल वलीद बिन तलाल के भतीजे थे। उनका जन्म अप्रैल 1990 में हुआ था। साल 2005 में, लंदन में मिलिट्री ट्रेनिंग के दौरान उनका भयानक सड़क हादसा हुआ। इस एक्सीडेंट में उन्हें गंभीर ब्रेन इंजरी और इंटरनल ब्लीडिंग हुई।

इसके बाद से वे कोमा में चले गए। सऊदी सरकार ने प्रिंस के इलाज के लिए अमेरिका और स्पेन से विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम बुलाई।

हालांकि वे कभी पूरी तरह होश में नहीं आए।

बीच-बीच में उनके शरीर में हलचल दिखती थी, जिससे परिवार को उम्मीद बंधती रही। डॉक्टरों ने उन्हें मेडिकल रूप से अचेत और बिना होश वाला घोषित कर दिया था। उनके पिता प्रिंस खालिद ने इलाज बंद कराने से साफ इनकार कर दिया। इसके बाद से ही उन्हें रियाद के महल में एक स्पेशल रूम में रखा गया था।

यहां 24 घंटे डॉक्टर, नर्स और मेडिकल सपोर्ट मौजूद रहता था। प्रिंस अल वलीद की हालत पर समय-समय पर वीडियो सामने आते थे। इनमें उनके हाथ या पलकों की हलचल देखी जाती थी।

इससे लोगों को उम्मीद बंधती थी कि शायद एक दिन वे होश में आ जाएं। सोशल मीडिया पर उन्हें लेकर स्लीपिंग प्रिंस जैसे हैशटैग ट्रेंड करते थे।

रूस के प्रशांत अपतटीय क्षेत्र में दो बार भूकंप आने के बाद सुनामी की चेतावनी जारी की गई

एजेंसी

प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र ने रविवार को समुद्र में दो बार भूकंप आने के बाद रूस के कामचातका प्रायद्वीप के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की है। इनमें से एक भूकंप की तीव्रता 7.4 मापी गई। बड़े भूकंप का केंद्र पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की शहर के 144 किलोमीटर पूर्व में 20 किलोमीटर की गहराई में था। शहर की आबादी 1,80,000 है। इससे कुछ मिनट पहले नजदीकी इलाके में 6.7 तीव्रता का भूकंप आया था।

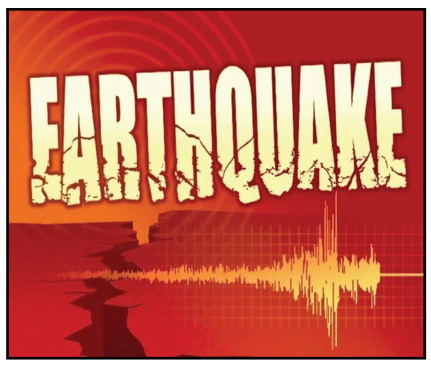

चीन ने ब्रह्मपुत्र नदी पर डैम बनाना शुरू किया

इंडियन बॉर्डर के पास यह दुनिया का सबसे बड़ा बांध; अरुणाचल सीएम बोले थे- ये वाटर बम

एजेंसी

बीजिंग, चीन ने तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी (चीन में यारलुंग सांगपो) पर दुनिया का सबसे बड़ा हाइड्रोपावर डैम बनाना शुरू कर दिया है। शनिवार को चीन के प्रधानमंत्री ली क्यांग ने इसकी शुरूआत की। एएफपी की रिपोर्ट के अनुसार, इस डैम प्रोजेक्ट को बीजिंग ने दिसंबर 2024 में मंजूरी दी थी। ये बांध चीन के न्यिंगची शहर में बनाया जा रहा है। इसकी कुल लागत करीब 167.8 अरब डॉलर (लगभग 12 लाख करोड़ रुपए) बताई गई है। यह डैम अरुणाचल प्रदेश की सीमा से सटे न्यिंगची शहर में बनाया जा रहा है। इसे लेकर भारत और बांग्लादेश दोनों ने

गहरी चिंता जताई है। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने इस बांध को भारत के लिए वाटर बम बताया था। करीब 2900 किलोमीटर लंबी ब्रह्मपुत्र नदी हिमालय के उस पार तिब्बत के पठार पर 2057 किलोमीटर दूर तक पश्चिम की ओर बहती है और उसके बाद अरुणाचल प्रदेश से होकर भारत में प्रवेश करती है। भारत के बाद ये बांग्लादेश में जाती है और फिर बंगाल की खाड़ी में मिल जाती है, लेकिन भारत में प्रवेश से ठीक पहले ये नदी एक यू टर्न लेती है। यही वो इलाका है जहां चीन दुनिया का सबसे बड़ा हाइड्रोपावर डैम बना रहा है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने इसी साल 3 जनवरी को एक प्रेस ब्रीफिंग में इस बांध को लेकर आपत्ति जताई थी। भारत ने कहा था कि ब्रह्मपुत्र पर बांध बनाने से निचले राज्यों के हितों को नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक परियोजना में पांच सीढ़ीदार (कैस्केड) हाइड्रोपावर स्टेशन शामिल होंगे। ये डैम साल भर में 300 अरब यूनिट (किलोवाट-घंटे) से अधिक बिजली बनाएगा। इस बिजली से 30 करोड़ लोगों की जरूरतों को पूरा किया जा सकता है। भारत भी अरुणाचल प्रदेश में इसी नदी पर एक बड़ा डैम बना रहा है।

ब्रह्मपुत्र और सतलुज पर जल-प्रवाह डेटा को लेकर भारत-चीन के बीच 2006 से एक्सपर्ट लेवल मैकेनिज्म (ईएलएम) चल रहा है। पिछले साल दिसंबर में एनएसए अजीत डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच हुई बातचीत में भी यह मुद्दा उठा था। 2015 में चीन ने तिब्बत में 1.5 अरब डॉलर की लागत वाला जम हाइड्रोपावर स्टेशन शुरू किया था। तब भी भारत ने चिंता जताई थी कि चीन धीरे-धीरे ब्रह्मपुत्र के जलस्तर और दिशा पर कब्जा कर सकता है।

बांग्लादेश में जमात-ए-इस्लामी पार्टी ने रैली निकाली

राजधानी ढाका में शक्ति प्रदर्शन किया; यूनुस सरकार से निष्पक्ष चुनाव की मांग की

एजेंसी

ढाका, बांग्लादेश की इस्लामिक पार्टी जमात-ए- इस्लामी ने शनिवार को राजधानी ढाका में विशाल रैली कर अपनी राजनीतिक ताकत का प्रदर्शन किया। इस रैली में लाखों समर्थक जुटे। माना जा रहा है कि यह प्रदर्शन अगले साल होने वाले आम चुनावों को ध्यान में रखते हुए किया गया है। जमाते इस्लामी ने पहले ही ऐलान कर दिया था कि वह शनिवार को 10 लाख लोगों को जुटाएगी। शुक्रवार रात से ही हजारों समर्थक ढाका यूनिवर्सिटी कैंपस में डटे रहे। शनिवार सुबह वे ऐतिहासिक सुवर्रवर्दी उद्यान के लिए रवाना हुए। यह वही जगह है जहां 16 दिसंबर 1971 को भारतीय सेना और मुक्ति वाहिनी के सामने पाकिस्तानी सेना ने आत्मसमर्पण किया था। 66 वर्षीय पार्टी प्रमुख शफीकुर रहमान ने भाषण के दौरान दो बार बेहोश हो गए। उन्हें बाद में जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया। यह पहला मौका है जब 1971 के बाद जमाते इस्लामी को सुवर्रवर्दी उद्यान में रैली की इजाजत मिली। माना जा रहा है कि यूनुस सरकार इस्लामी ताकतों को बढ़ावा दे रही है और लिबरल पार्टियों का प्रभाव घट रहा है। जमाते इस्लामी 300 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी में है और बीएनपी समेत अन्य इस्लामी पार्टियों के साथ गठबंधन बनाने की कोशिश कर रही है। 2001-2006 में बीएनपी सरकार में जमात के दो मंत्री भी थे। पूर्व प्रधानमंत्री हसीना की पार्टी अवामी लीग ने इस फैसले की तीखी आलोचना की। पार्टी ने इसे राष्ट्र की अंतरात्मा के साथ विश्वासघात बताया और कहा कि यह 1971 के शहीदों का अपमान है। बांग्लादेश में पिछले साल छात्रों के नेतृत्व में बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन हुए थे। भीड़ ने 5 अगस्त, 2024 को तत्कालीन प्रधानमंत्री, 77 साल शेख हसीना के आवास पर हमला कर दिया था। भीड़ के पहुंचने से पहले हसीना बांग्लादेश से भागकर भारत आ गई थीं। वे तब से भारत में रह रही हैं। इसी के साथ बांग्लादेश में अवामी लीग की 20 साल पुरानी सरकार भी गिर गई। इसके बाद मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार की स्थापना की गई। हसीना के खिलाफ देशभर में छात्र कोटा सिस्टम को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे।

दरअसल, बांग्लादेश में 5 जून, 2024 को हाईकोर्ट ने जॉब में 30% कोटा सिस्टम लागू किया था। यह आरक्षण स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को दिया जा रहा था। लेकिन हसीना सरकार ने यह आरक्षण बाद में खत्म कर दिया था। इसके बाद छात्र उनके इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन करने लगे।

साउथ कोरिया में बारिश से बाढ़-लैंडस्लाइड, 14 की मौत

12 लापता, सड़कें-इमारतें डूबी, गांव मलबे में दबा; रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

एजेंसी

सियोल, साउथ कोरिया में बुधवार से भारी बारिश हो रही है। बारिश से आई बाढ़ और लैंडस्लाइड के कारण 14 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 12 लोग अभी भी लापता हैं। आपदा प्रबंधन कार्यालय के मुताबिक मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। साउथ कोरिया के गैप्योंग शहर में लैंडस्लाइड से प्रभावित लोग राहत

शिविरों में पहुंच रहे हैं। वहीं, चुंगचेओंग इलाके में एक गांव पूरी तरह मलबे में दब गया। सबसे ज्यादा नुकसान दक्षिणी क्षेत्र सांचेओंग में हुआ, जहां छह लोगों की मौत हुई और सात लोग लापता हैं। सांचेओंग में 793.5 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो सामान्य से कहीं ज्यादा है। राष्ट्रपति ली जे-म्युंग ने प्रभावित क्षेत्रों को विशेष आपदा क्षेत्र घोषित किया है। सरकार ने लोगों का रेस्क्यू शुरू किए हैं। स्थानीय प्रशासन ने सभी निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए अलर्ट जारी किया। बाढ़ में 388 सड़कें डूब गईं, कई इमारतें तबाह हो गईं। खेतों को नुकसान पहुंचा और कई मवेशी भी मारे गए। बारिश के बाद करीब 10 हजार लोग अपने घरों से निकाले गए और 41 हजार से ज्यादा घरों की बिजली अस्थायी रूप से चली गई।

दक्षिण कोरिया में आमतौर पर जुलाई में मानसून की बारिश होती है और आमतौर पर इसकी पूरी तैयारी रहती है। लेकिन इस हफ्ते देश के दक्षिणी इलाकों में तेज बारिश हुई, और आधिकारिक मौसम आंकड़ों के अनुसार, कुछ जगहों पर रिकॉर्ड तोड़ बारिश हुई।

पुलिस के हत्थे चढ़ा मुख्य आरोपी तौसीफ, साजिश में शामिल पांच गिरफ्तार

एजेंसी

चंदन मिश्रा हत्याकांड में मुख्य आरोपी तौसीफ उर्फ बादशाह को कोलकाता से गिरफ्तार कर लिया गया है, जिसके साथ चार अन्य संदिग्ध भी पकड़े गए हैं। प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि इस जघन्य हत्या की पूरी साजिश निशु खान के घर पर रची गई थी और तौसीफ ने ही इसे अंजाम दिया।

बिहार पुलिस को चंदन मिश्रा हत्याकांड में एक बडी सफलता मिली है। पटना के एक अस्पताल में पैरोल पर बाहर आए चंदन मिश्रा की हत्या के मुख्य आरोपी तौसीफ उर्फ बादशाह को कोलकाता से गिरफ्तार कर लिया गया है। बिहार पुलिस ने कोलकाता पुलिस और कोलकाता साथ एक संयुक्त अभियान चलाकर यह गिरफ्तारी की। तौसीफ के साथ निशु खान और दो अन्य संदिग्धों को भी हिरासत में लिया गया है इस सप्ताह की शुरूआत में हुई इस सनसनीखेज हत्या के बाद तौसीफ का नाम मुख्य संदिग्ध के रूप में सामने आया था। सूत्रों के अनुसार, घटना को अंजाम देने के बाद तौसीफ कथित तौर पर पश्चिम बंगाल भाग गया था और कोलकाता के आनंदपुर इलाके में छिपा हुआ था, जहां से कोलकाता स्पेशल टास्क फोर्स ने उसे धर दबोचा। यह भी बताया जा रहा है कि उसके लकवाग्रस्त भाई के पैर में भी गोली लगी थी। तौसीफ को कोलकाता की एक अदालत में पेश किया जाएगा और कानूनी प्रक्रिया के तहत ट्रांजिट रिमांड पर पटना लाया जाएगा। इस बीच, तीन और संदिग्धों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है। एक अधिकारी ने बताया, 'प्रारंभिक पूछताछ से पता चला है कि हत्या की पूरी साजिश गिरफ्तार किए गए संदिग्धों में से एक निशु खान के घर पर रची गई थी। इस जघन्य अपराध को मुख्य रूप से तौसीफ ने अंजाम दिया। अन्य संदिग्धों से भी पूछताछ जारी है ताकि इस मामले की सभी कडियां जोडी जा सकें।' सीसीटीवी फुटेज और सूत्रों के अनुसार, हमले से कुछ मिनट पहले एक निगरानी वीडियो में तौसीफ कथित तौर पर सुबह 7:13 बजे अस्पताल के बाहर आता हुआ दिखा। उसके साथ एक हेलमेट पहने व्यक्ति भी था जिसके पास एक बैग था। इसके तुरंत बाद, चार अन्य लोग, सभी टोपी पहने हुए, उसके साथ आ जाते हैं, और तौसीफ द्वारा उन्हें अस्पताल के अंदर ले जाने से पहले वे कुछ देर तक एक-दूसरे से लिपटे रहते हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, 'इस ऑपरेशन में कम से कम छह लोगों के सीधे तौर पर शामिल होने का संदेह है। तौसीफ समेत उनमें से पांच, जिनके पास हथियार थे

यूपीआई क्रांति: जून में 18 अरब से अधिक लेनदेन, भारत दुनिया भर में अग्रणी देश बना

भारत में 49.1 करोड़ व्यक्ति और 6.5 करोड़ व्यापारी यूपीआई का इस्तेमाल करते हैं, जो 675 बैंकों को एक ही प्लेटफॉर्म पर जोड़ती है.

प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) ने रविवार को अपनी बैकग्राउंडर्स सीरीज में कहा कि इस बदलाव ने नकद और कार्ड-आधारित भुगतान को कम दिया है और भारत डिजिटल-प्रथम अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है. लाखों व्यक्ति और छोटे व्यवसाय अब सुरक्षित और कम लागत वाले लेनदेन के लिए यूपीआई पर निर्भर हैं. भुगतान को त्वरित और सुलभ बनाकर, यूपीआई वित्तीय समावेशन का एक शक्तिशाली उपकरण बन गया है.

एजेंसी

नई दिल्ली: अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा हाल ही में जारी नोट 'ग्रोइंग रिटेल डिजिटल पेमेंट्स: वैल्यू ऑफ इंटरऑपरेबिलिटी' के अनुसार, भारत फास्ट पेमेंट में दुनिया भर में अग्रणी देश के रूप में उभरा है. इस बदलाव का मूल आधार यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (वढक) है. भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम ने 2016 में वढक को लॉन्च किया था. इसने देश में लोगों के पैसे भेजने और प्राप्त करने के तरीके को बदल दिया है. यूपीआई आपके बैंक खातों को मोबाइल ऐप में जोड़ता है. आप बस कुछ ही टैप से तुरंत पैसे ट्रांसफर कर सकते हैं, व्यापारियों को भुगतान कर सकते हैं, या दोस्तों को पैसे भेज सकते हैं. यूपीआई की बड़ी खासियत इसकी तेज गति और इस्तेमाल में आसानी है. वर्तमान में यूपीआई भारत में हर महीने 18 अरब से अधिक लेनदेन करता है. अकेले जून में ही यूपीआई से 24.03 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का भुगतान और 18.39 अरब लेनदेन दर्ज किया गया. पिछले साल इसी महीने में यूपीआई ट्रांजैक्शन 13.88 अरब था. यानी सिर्फ एक साल में यूपीआई ट्रांजैक्शन में लगभग 32 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. वर्तमान में 49.1 करोड़ व्यक्ति और 6.5 करोड़ व्यापारी यूपीआई का इस्तेमाल करते हैं. यह 675 बैंकों को एक ही प्लेटफॉर्म पर जोड़ती है, जिससे लोग बिना किसी चिंता के आसानी से भुगतान कर सकते हैं, चाहे किस भी बैंक में उनका अकाउंट हो. भारत में सभी डिजिटल लेनदेन में यूपीआई का योगदान 85 प्रतिशत है. देश के बाहर भी इसका इस्तेमाल हो रहा है और ग्लोबल रीयल-टाइम डिजिटल पेमेंट्स का लगभग 50 प्रतिशत लेनदेन यूपीआई से होता है. पीआईबी की रिपोर्ट में कहा गया है, ₹ये आंकड़े सिर्फ संख्या नहीं हैं. ये विश्वास, सुविधा और गति को दर्शाते हैं. हर महीने, अधिक से अधिक व्यक्ति और व्यवसाय अपने भुगतान के लिए यूपीआई का चयन कर रहे हैं. इसका बढ़ता उपयोग इस बात का मजबूत संकेत है कि भारत नकदी रहित अर्थव्यवस्था की ओर तेजी से बढ़ रहा है. यूपीआई का इस्तेमाल संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, फ्रांस और मॉरीशस में पहले से हो रहा है. फ्रांस यूपीआई सिस्टम को अपनाने वाला पहला यूरोपीय देश है. इससे वहां यात्रा करने वाले या रहने वाले भारतीयों को विदेशी लेनदेन की सामान्य परेशानियों के बिना सहजता से भुगतान करने की सुविधा मिलती है. पीआईबी के अनुसार, भारत यूपीआई को ब्रिक्स समूह के भीतर एक मानक बनाने पर भी जोर दे रहा है.

केशव मौर्य का राहुल गांधी पर हमला

कहा- ऑपरेशन सिंदूर की मार से पाकिस्तान से ज्यादा तो गांधी परिवार कराह रहा

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर प्रहार करते हुए आरोप लगाया कि ऑपरेशन सिंदूर की मार से पाकिस्तान से ज्यादा तो गांधी परिवार कराह रहा है। केशव मौर्य ने रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा लोकसभा में विपक्ष के हल्के नेता श्री राहुल गांधी को भारत की चिंता कम, पाकिस्तान की फि क्र ज्यादा रहती है। तभी, ऑपरेशन सिंदूर की मार से पाकिस्तान से ज्यादा तो गांधी परिवार कराह रहा है। उन्होंने पोस्ट में कहा भारतीय सेना का बार-बार अपमान कांग्रेस इसलिए करती है, ताकि पड़ोसी भाईजान पाकिस्तान को खुश किया जा सके। केशव मौर्य ने कहा, दरअसल, सत्ता की बेदखली ने कांग्रेस की मति मार दी है, इसलिए वह दुनिया के ऐसे भ्रमित नेताओं की ओट (आड़) लेने को मजबूर है जो अपने बयानों पर स्थिर नहीं रहते हैं। अपने गांधी जी की तरह वह भी अस्थिर चित्त वाले हैं।

आंध्र प्रदेश शराब घोटाला: पुलिस के आरोपपत्र में पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी का नाम, कहा- खूब ली रिश्वत

पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी के नाम आंध्र प्रदेश पुलिस की ओर से रिश्वत प्राप्तकर्ता के तौर पर किया गया है. अदालत ने अभी तक आरोपपत्र पर संज्ञान नहीं लिया है.

एजेंसी

आंध्र प्रदेश शराब घोटाला: पुलिस के आरोपपत्र में पूर्व सीएम जगन मोहन रेड्डी का नाम, कहा- खूब ली रिश्वत

आंध्र प्रदेश पुलिस की ओर से 3,500 करोड़ रुपये के कथित शराब घोटाले के सिलसिले में एक स्थानीय अदालत में दायर आरोप पत्र में पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी के नाम का उल्लेख रिश्वत प्राप्तकर्ता के तौर पर किया गया है. आरोप पत्र के अनुसार, उन्हें हर महीने औसतन 50 से 60 करोड़ रुपये तक की रिश्वत मिली.

पुलिस की ओर से दायर आरोपपत्र

हालांकि, शनिवार (20 जुलाई, 2025) को दायर 305 पृष्ठों के आरोपपत्र में जगन का नाम आरोपी के तौर पर नहीं है. अदालत ने अभी तक आरोपपत्र पर संज्ञान नहीं लिया है.

पुलिस की ओर से दायर आरोपपत्र के मुताबिक, ह्यएकत्रित राशि आखिर में केसिरेड्डी राजशेखर रेड्डी (ए-1) को सौंप दी गई. इसके बाद राजशेखर रेड्डी ने यह राशि विजय साई रेड्डी (ए-5), मिथुन रेड्डी (ए-4) और बालाजी (ए-33) को सौंप दी, जिन्होंने इसे पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी को हस्तांतरित कर दिया. औसतन हर महीने 50-60 करोड़ रुपये की वसूली होती थी.

फर्जी शराब बनाने वाली भट्टियां

आरोपपत्र में खुलासा किया गया है कि 3,500 करोड़ रुपये के पूरे शराब घोटाले के मास्टरमाइंड और सह-षड्यंत्रकारी राजशेखर रेड्डी ने आबकारी नीति में हेर-फेर को प्रभावित करने के अलावा स्वचालित ओएफएस (आपूर्ति के लिए आदेश) को मैनुअल प्रक्रिया से बदलने में अहम भूमिका निभाने के अलावा एपीएसबीसीएल (आंध्र प्रदेश राज्य पेय पदार्थ निगम लिमिटेड) में अपने वफादार कर्मचारियों को नियुक्त करवाया. आरोपपत्र में कहा गया है कि उन्होंने कथित तौर पर फर्जी शराब बनाने वाली भट्टियां बनाईं और एक अन्य आरोपी बालाजी गोविंदप्पा के माध्यम से जगन को रिश्वत दी.